हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 06.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 278 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये | RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

टीवीके विधायक दल के नेता चुने गए विजय

चेन्नई : चेन्नई के पनैयूर स्थित टीवीके मुख्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक जारी है। इस बैठक में सरकार गठन को लेकर मंथन किया जा रहा है। बैठक के दौरान सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से विजय को तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के विधानसभा दल का नेता चुन लिया है। विधानसभा चुनाव में 108 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद टीवीके सरकार बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधायक दल का नेता चुने जाने के साथ ही यह लगभग तय माना जा रहा है कि विजय ही मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। तमिलनाडु में 23 तारीख को एक ही चरण में मतदान हुआ था और मतगणना के बाद जैसे-जैसे नतीजे सामने आए, टीवीके लगातार बढ़त बनाती रही। अंतत: पार्टी 108 सीटों पर जीत दर्ज कर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

इंडिगो की फ्लाइट में पावर बैंक फटा, पांच यात्री चोटिल

चंडीगढ़ : हैदराबाद से चंडीगढ़ आई इंडिगो की फ्लाइट में मंगलवार को चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पावर बैंक फट गया। यह घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। इस घटना में पांच यात्री चोटिल हो गए। इस स्थिति को देखते हुए फ्लाइट स्टाफ ने इमरजेंसी डोर खोले और यात्रियों को बाहर निकाला। पूरे जहाज को खाली करके जांच की गई। दोपहर बाद हैदराबाद से चंडीगढ़ पहुंची इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री का पावर बैंक फट गया। इंडिगो स्टाफ ने तुरंत इसकी सूचना आला अधिकारियों को दी और आपात स्वीकृति के साथ विमान खाली कराया गया। ग्राउंड टीमें भी मौके पर पहुंचीं और यात्रियों की सुरक्षा को यकीनी बनाया गया। बताया गया कि इंडिगो की फ्लाइट 6ई -108 करीब 3:29 बजे चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरी। विमान में 198 यात्री, दो बच्चे और छह क्रू मेंबर सवार थे। लैंडिंग के बाद जब विमान वे नंबर-1 की ओर बढ़ रहा था, तभी सीट 39 सी पर बैठे यात्री ने क्रू को अपने पावर बैंक में आग लगने की जानकारी दी।

अपराध नियंत्रण में कोताही बर्दाश्त नहीं : सीएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर मंगलवार को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि अपराध नियंत्रण में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आम जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

युवाओं को नशे के जाल से बचाने के लिए मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। नशे के कारोबारियों को चिन्हित कर उनकी आपूर्ति श्रृंखला को तुरंत तोड़ें। स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थानों के आसपास सक्रिय सप्लायरों पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। खूंटी, चतरा और रांची जैसे जिलों में अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाने और ग्रामीणों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव (गृह) श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी श्रीमती तदाशा मिश्रा सहित सभी जोनल आईजी, रेंज डीआईजी और जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

भू-माफियाओं को संरक्षण देने वाले अधिकारियों की खैर नहीं

जमीन विवाद और भू-माफियाओं के बढ़ते दखल पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों से सटे इलाकों में भूमि विवाद से जुड़े अपराधों पर पुलिस कड़ी कार्रवाई करे। मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा, किसी भी पुलिस अधिकारी द्वारा भू-माफियाओं को संरक्षण दिया जाना अक्षम्य होगा। साथ ही, हिरासत में यातना या मृत्यु जैसी घटनाओं को सरकार पूरी गंभीरता से लेगी।

जनता से बढ़ाएं संवाद, करें औचक निरीक्षण

पुलिसिंग को संवेदनशील बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने एसपी, डीएसपी और थाना प्रभारियों को अपने कार्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थित रहने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि अधिकारी केवल शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों का भी औचक निरीक्षण करें। इससे न केवल जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा, बल्कि पुलिस के प्रति आम लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा।

लापता महिलाओं और बच्चों की सुरक्षित वापसी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने राज्य में लापता बच्चों और महिलाओं के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे मामलों को 'प्राथमिकता श्रेणी' में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, लापता बच्चों और महिलाओं की सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। इन मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके।

प. बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ मई को

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने जानकारी दी है कि राज्य के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण आगामी नौ मई को किया जायेगा। हालांकि मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने बताया कि नौ मई का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उस दिन कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती भी है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बेहद समृद्ध रही है। राजाराम मोहन राय, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ जैसी महान हस्तियों की यह भूमि है। राज्य की इसी गरिमा और पहचान को फिर से स्थापित करने की दिशा में नई सरकार काम करेगी। सूत्रों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता में आयोजित होगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहेंगे। इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। बंगाल में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत दर्ज की है।

अमित शाह बने केंद्रीय पर्यवेक्षक

वहीं, भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने पश्चिम बंगाल में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केन्द्रीय सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

एन्काउंटर स्पेशलिस्ट आईपीएस डॉ. अजयपाल शर्मा की प्रतिनियुक्ति

पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था को पटरी पर लाने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश कैडर के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी डॉ. अजयपाल शर्मा को अगले 5 वर्षों के लिए बंगाल में प्रतिनियुक्ति पर भेजने का आदेश जारी कर दिया है।

ममता ने किया इस्तीफा देने से इंकार

चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या और वोटों की जबरन लूट करार दिया

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के चौंकाने वाले नतीजों के बाद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झुकने से इनकार कर दिया है। मंगलवार को कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दो टूक कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। ममता बनर्जी ने चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या और वोटों की जबरन लूट करार दिया है।

उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति के सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 207 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। वहीं, पिछले एक दशक से अधिक समय से सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस महज 80 सीटों पर सिमट गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके साथ अभिषेक बनर्जी सहित पार्टी के कई दिग्गज नेता मौजूद थे, जो चुनावी परिणामों के खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ने की रणनीति बना रहे हैं।

100 अधिक सीटों पर धांधली करने का निर्वाचन आयोग पर आरोप

तृणमूल सुप्रीमो ने चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा, मैं इस्तीफा क्यों दूं? हम चुनाव हारे नहीं हैं, बल्कि धांधली के जरिए हमें हराया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि 100 से अधिक सीटों पर निर्वाचन आयोग ने पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मतगणना केंद्रों पर उनके एजेंटों को प्रवेश करने से रोका गया और टीएमसी समर्थकों के साथ मारपीट की गई।

विपक्ष का मिला साथ, सड़क पर संघर्ष का एलान

ममता बनर्जी ने बताया कि हार के बावजूद देश के कई बड़े नेताओं ने उन्हें समर्थन दिया है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और हेमन्त सोरेन जैसे नेताओं ने उन्हें फोन कर एकजुटता का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि वह अब सड़क पर उतरकर जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगी और विपक्षी गठबंधन को और मजबूत बनाएंगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला : किसानों के लिए 'कपास क्रांति' का आगाज

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय अर्थव्यवस्था को नई शक्ति प्रदान करने और औद्योगिक व कृषि क्षेत्रों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने कई ऐतिहासिक आर्थिक निर्णयों पर अपनी मुहर लगा दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद इन महत्वपूर्ण घोषणाओं की जानकारी साझा की। सरकार ने विमानन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, कृषि और समुद्री ढांचे के विकास के लिए लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय को स्वीकृति दी है।

देश के कपास उत्पादकों की आय बढ़ाने और उत्पादन क्षमता में सुधार के लिए सरकार ने 'कपास क्रांति' मिशन की घोषणा की है। इस परियोजना पर 5,669 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वर्तमान में भारत 297 लाख गांठ के साथ दुनिया का दूसरा बड़ा उत्पादक है, जिसे 2030-31 तक 450 लाख गांठ तक ले जाने का लक्ष्य है। इससे सीधे तौर पर 32 लाख किसानों को लाभ होगा। यह धनराशि अनुसंधान, उन्नत तकनीक और बेहतर रेशों के उत्पादन पर व्यय की जाएगी। इसके साथ ही, गन्ने के लाभकारी मूल्य को लेकर भी किसानों के हित में निर्णय लिया गया है।

भारत को विश्व स्तरीय विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में सरकार ने दो बड़ी सेमीकंडक्टर इकाइयों की स्थापना को मंजूरी दी है।

सेमीकंडक्टर: 'क्रिस्टल मैट्रिक्स' और 'सूचि' नामक इन दो परियोजनाओं पर 3,936 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

समुद्री ढांचा: गुजरात के वडीनार में 1,570 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम होगी।

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार पर भी हजारों करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें नागदा-मथुरा, गुंटकल-वाडी और बुरहवाल-सीतापुर रेल लाइनों का दोहरीकरण व विस्तार शामिल है। वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते वैश्विक तनाव को देखते हुए घरेलू उद्योगों को आर्थिक संकट से बचाने के लिए 'आपातकालीन ऋण गारंटी योजना' के तहत 18,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली से 24 की मौत

एजेंसी

पटना : राज्य के अलग-अलग हिस्सों में सोमवार शाम से देर रात तक तेज आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में 07 बच्चों समेत कुल 24 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले 48 से 72 घंटे बेहद संवेदनशील बताए हैं। राज्य सरकार ने मृतक आश्रित परिवारों को तुरंत 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सबसे ज्यादा गयाजी में 6 लोगों जान गई है। वहीं, पूर्वी-पश्चिमी चंपारण में भी 6 लोगों की मौत हुई है।

बीते सोमवार को अचानक मौसम ने भयावह रूप ले लिया। आसमान काले बादलों से घिर गया। तेज आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्यभर में बिजली गिरने और पेड़ गिरने से 24 लोगों की मौत हो गई।

हरियाणा : सड़क दुर्घटना में चार पुलिसकर्मियों समेत पांच की मौत

उरई/चंडीगढ : हरियाणा के नूंह जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ओवरटेक के चक्कर में एक अन्य वाहन से टकरा गई। हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवान समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी पुलिसकर्मी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के मुख्यालय उरई में तैनात थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिसकर्मियों की काली स्कॉर्पियो पलवल की ओर जा रही थी। तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धुलावट टोल प्लाजा के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे कार के ड्राइवर ने सामने जा रहे एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन तेज रफ्तार के कारण वह संतुलन खो बैठा और उसने सामने के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी।

बिहार मंत्रिमंडल का विस्तार कल

एजेंसी

पटना : बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को लेकर आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है।

बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को जानकारी दी कि 7 मई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक, समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जितन राम मांझी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

भारतीय रेल का एतिहासिक सफर: दुनिया की पहली 'महिला स्पेशल' ट्रेन ने पूरे किए 34 साल

आज लाखों कामकाजी महिलाओं की जीवनरेखा बन चुकी है 'महिला स्पेशल'

एजेंसी

नयी दिल्ली/मुंबई : भारतीय रेल के गौरवशाली इतिहास में आज एक सुनहरा अध्याय और जुड़ गया है। महिलाओं के सुरक्षित और स्वावलंबी सफर की पहचान बन चुकी दुनिया की पहली 'महिला स्पेशल' ट्रेन सेवा ने आज अपनी सफलता के 34 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 5 मई 1992 को मुंबई की पटरियों पर शुरू हुई यह सेवा आज लाखों कामकाजी महिलाओं की जीवनरेखा बन चुकी है।

चर्चगेट से बोरीवली: 'लेडीज स्पेशल' ट्रेन चलाकरएक क्रांतिकारी शुरूआत

90 के दशक में जब मुंबई के व्यावसायिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी, तब भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। इसी को भांपते हुए पश्चिम रेलवे ने 5 मई 1992 को चर्चगेट से बोरीवली के बीच पहली 'लेडीज स्पेशल' ट्रेन चलाकर इतिहास रचा था। 1993 में इस सेवा का विस्तार विरार तक किया गया, जिसने महिलाओं के सफर को न केवल सुरक्षित बनाया बल्कि उन्हें एक अलग पहचान भी दी।

सिर्फ ट्रेन नहीं, एक सामाजिक जुड़ाव का मंच

पिछले तीन दशकों में ये ट्रेनें केवल परिवहन का साधन ही नहीं रहीं, बल्कि एक चलता-फिरता 'सोशल नेटवर्क' बन गई हैं। नियमित यात्रा करने वाली महिलाओं के बीच अटूट दोस्ती, आपसी सहयोग और उत्सव मनाने की परंपरा विकसित हुई है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के साथ सफर करने वाली माताओं के लिए यह सेवा किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई है।

वर्तमान में 10 सेवाओं का संचालन

रेल मंत्रालय के अनुसार, बदलती जरूरतों को देखते हुए इस सेवा का लगातार विस्तार किया गया है। वर्तमान में पश्चिम रेलवे द्वारा व्यस्त समय के दौरान रोजाना 10 महिला स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।
सुबह (अप लाइन): विरार, बोरीवली, भयंदर और वसई रोड से चर्चगेट के लिए 6 ट्रेनें।
शाम (डाउन लाइन): चर्चगेट से बोरीवली और विरार के लिए 4 महत्वपूर्ण ट्रेनें।

यूएस-ईरान में फिर भड़का तनाव
होर्मुज में जंग जैसे हालात

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि सीजफायर की घोषणा के बावजूद दोनों पक्षों की सैन्य गतिविधियां जारी हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्पष्ट किया है कि सीजफायर अभी भी लागू है और इसे खत्म नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा अभियान अलग और सीमित प्रकृति का है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऑपरेशन केवल वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए अस्थायी व्यवस्था है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ बोले- सीजफायर अभी भी लागू

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम अभी भी लागू है।

एक नजर

कांग्रेस कमेटी में मुस्लिम प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर विरोध

बरही : झारखंड कांग्रेस प्रदेश इकाई के पुनर्गठन में हजारीबाग से 13 सदस्यों को राज्य कमेटी में शामिल किया गया, लेकिन एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं होने पर अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति बरही ने नाराजगी जताई है। मीडिया प्रभारी तौकीर रजा ने कहा कि राहुल गांधी के "जिसकी जितनी भागीदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी" नारे के बावजूद अल्पसंख्यकों की अनदेखी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि हिस्सेदारी नहीं मिली तो कांग्रेस को बंगाल जैसे परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं और मुस्लिम समुदाय समर्थन नहीं करेगा। महासमिति ने मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से हस्तक्षेप की मांग की है।

9 मई को नेशनल लोक अदालत, 90 दिन का विधिक जागरूकता अभियान भी शुरू

बरही : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के दिशा-निर्देश पर हजारीबाग सिविल कोर्ट परिसर में 9 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही लोगों में कानूनी जानकारी बढ़ाने के लिए 90 दिनों का विधिक जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। मंगलवार को सिविल कोर्ट स्थित न्याय सदन भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी ने बताया कि लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा पक्षकारों को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं और मामलों के निष्पादन के लिए अलग-अलग बेंच बनाई गई हैं, इन बेंचों के माध्यम से पारिवारिक विवाद, श्रम न्यायालय, बिजली विभाग, वन विभाग, उत्पाद विभाग, माप-तौल, दुर्घटना दावा, भूमि-अधिग्रहण, सुलहनीय आपराधिक मामले, बैंक रिकवरी और चेक बाउंस के मामलों का सुलह के आधार पर निष्पादन किया जाएगा, पक्षकारों की सुविधा के लिए डालसा कार्यालय में दो हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं और लोक अदालत स्थल तक पहुंचने में असुविधा न हो इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, डालसा सचिव डॉ. तिवारी ने पक्षकारों, अधिवक्ताओं और संबंधित विभाग के पदाधिकारियों से अपील की है कि मामलों के निष्पादन में सहयोग कर ज्यादा से ज्यादा मामलों का समाधान कराकर पक्षकारों को लाभ पहुंचाएं।

बिजली पोल गिरने के कारण 23 घंटा बिजली रहा बाधित

बड़कागांव : हजारीबाग कन्हरी के पास में सोमवार को आई आंधी तूफान ने बिजली पोल को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया जिसके कारण बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में 23 घंटा बिजली गुल रहा। बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को कई समस्याओं से जूझना पड़ा पड़ा। पंखे ,कूलर ,एसी ,पानी मोटर पंप बिल्कुल बंद रहे जिसके कारण रोजमर्रा कामकाज पूर्ण रूप से प्रभावित रहा। बताते चलें कि पिछले 15 दिनों में आंधी तूफान या बिजली इंस्ट्रूमेंट खराब हो जाने के कारण कई बार कई घंटे बिजली बाधित रहा है ,जिसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ी है। जबकि बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड के बिजली उपभोक्ता बिजली बिल भुगतान में कभी भी कोताही नहीं बरतते हैं और समय पर बिल का भुगतान भी कर देते हैं। फिर भी जिस अनुपात में उपभोक्ताओ को बिजली मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है।

झारखंड महाविद्यालय में प्रतिभा सम्मान सह करियर काउंसलिंग का आयोजन, विद्यार्थी हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड महाविद्यालय प्रांगण में दसवीं बोर्ड परीक्षा में बेहतर करने वाले बच्चों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह सह करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता झारखंड महाविद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव एवं संचालन शिक्षक शमशेर अंसारी ने किया। इस दौरान 2026 मैट्रिक 10वीं बोर्ड परीक्षा में बेहतर करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया एवं उनके बेहतर भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग किया गया। मुख्य अतिथि द पाणिनि आईएएस अकैडमी के डॉ. प्रकाश कुमार, विशिष्ट अतिथि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य विजय यादव, मॉडर्न पब्लिक हाई स्कूल के निदेशक कुलदीप कुमार, रविदास महासभा

के प्रखंड अध्यक्ष असेश्वर राम एवं शिक्षाविद प्रबुद्ध लोगों के हाथों के हाथों 10 टॉपर समेत प्रतिभावान सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। झारखंड महाविद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव ने कहा कि बच्चों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह अत्यंत आवश्यक है, सम्मानित करने से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है और वे आगे चलकर बेहतर करने का प्रयास करते हैं। मॉडर्न हाई स्कूल के टॉपर खुशी रानी, टॉपर प्रियांशु कुमारी बेलतू हाई स्कूल, टॉपर सूनामिका कुमारी प्लस टू हाई स्कूल, करिश्मा कुमारी प्लस टू हाई स्कूल हरली, नेहा कुमारी मॉडर्न पब्लिक हाई स्कूल, सफरा इमाम, गर्ल्स हाई स्कूल बादम, श्वेता कुमारी प्लस टू हाई स्कूल बड़कागांव, सुशांत कुमार बेलतू, माही कुमारी मॉडर्न हाई स्कूल बड़कागांव, श्रेया कुमारी प्लस टू बड़का गांव के टॉपर को सम्मानित किया गयामौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से नईम, मंजू कुमारी, मोहम्मद शमशेर अंसारी, रंजीत कुमार, धर्मनाथ महतो, सूरज कुमार दास, मोहम्मद मुदस्सर अन्य उपस्थित थे।

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने नव नियुक्त उपायुक्त का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखण्ड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ जिला हजारीबाग इकाई ने कार्यकारी महासचिव रविन्द्र चौधरी के नेतृत्व में नव नियुक्त उपायुक्त हेमंत सती से शिष्टाचार मुलाकात कर पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान संघ के सदस्यों सुनील सिंह, परितोष झा, अनिल कुमार, नरेंद्र कुमार, महेंद्र राम, देवेंद्र कुमार, अरुण कुमार, रविकांत ओम, संतोष कुमार मौजूद रहे, संघ ने जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पारदर्शी ढंग से 160 माध्यमिक शिक्षकों की सेवा संपुष्टि के लिए उपायुक्त का आभार जताया, वहीं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के सचिव

संदीप कुमार ने प्रोन्नति से जुड़ी समस्याएं रखीं जिस पर उपायुक्त ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया, उपायुक्त हेमंत सती ने साहिबगंज में शिक्षक संघ के सृजनात्मक सहयोग को याद करते हुए कहा कि उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए हजारीबाग की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाई देने के लिए सभी शिक्षकों के साथ संवाद कर मिलकर प्रयास करेंगे।

सक्सेस ट्यूटोरियल में मेधावी छात्रों का सम्मान, सुनीता देवी ने दिया सफलता का मंत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के पाण्डेयबारा पंचायत अंतर्गत कमलवार गांव स्थित सक्सेस ट्यूटोरियल कोचिंग सेंटर में मंगलवार को सत्र 2025-26 के प्रथम श्रेणी से उतिर्ण दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पाण्डेयबारा की पूर्व मुखिया प्रत्याशी सुनीता देवी रहीं। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय कर पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ उसे हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को सफलता की असली कुंजी बताते हुए छात्रों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सुनीता देवी ने सभी विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा उन्हें डॉम्स कंपनी की शैक्षणिक सामग्री भेंट की। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे कार्यक्रम का माहौल उल्लास से भर गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कोचिंग संचालिका मैडम हिना ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ही सफलता की मजबूत नींव रखते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुन्दोल में मंडा पूजा को लेकर दिनेश्वर पासवान अध्यक्ष सचिव सनित कुमार एवं कोषाध्यक्ष बने अवधेश सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड पुंदौल में मंडा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता दिनेश्वर पासवान एवं संचालन विनोद यादव ने किया । ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से पूजा समिति का गठन किया। जिसमे अध्यक्ष दिनेश्वर पासवान , सचिव सनित कुमार महतो व कोषाध्यक्ष अवधेश सिंह को बनाया गया। इस बार पूजा सात दिनों की होगी! कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकारिणी सदस्यों का एक मंडली बनाया गया। जिसमे विनोद यादव ,सागर यादव, सुरेश चौधरी, कुलेश्वर यादव, विक्की सिंह, जगरनाथ यादव, विकाश पांडे, रंजन पांडेय, महेंद्र यादव, बोधन यादव, विनोद पासवान, सुशील प्रजापति, होरिल महतो, सुदामा प्रजापति, पंचेश्वर साव, अजय

साव, पंकज यादव, रोहित शर्मा ,यमुना ठाकुर, खिरोधर महतो, अघनु महतो, शिबू महतो, लालदेव महतो, खेमानी महतो, संतोष प्रसाद सिंहा, गुड्डू सिन्हा, राहुल पासवान, विनोद पासवान, मोहन महतो, जयनंदन प्रसाद, चन्द्रिका महतो, ललन भुइया, टिंकू भुइया, अजय रजवार, काशी रजवार, नरेश रजवार, अजय भुइया, महेश भुइया, सोहन महतो, प्रवीण साव, दशरथ महतो, महेश महतो, अशोक महतो, पिंटू यादव, बुलेश्वर पासवान, धिरंजन रजवार, राहुल रजवार,अरुण रजवार, गणेश महतो सहित लोग पूजा सफल कराने में अहम भूमिका के रोल में रहेंगे।

बंगाल जीत पर इंगुनिया में जश्न कार्यकर्ताओं ने बांटी झालमुड़ी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के इंगुनिया गांव में पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत की खबर मिलते ही कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने झालमुड़ी बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी और जीत का जश्न मनाया। पूरे गांव में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यकताओं ने कहा कि बंगाल की जनता ने भय, भ्रष्टाचार और अराजकता के माहौल से मुक्ति पाने के लिए भाजपा को जनादेश दिया है। उनका मानना है कि इससे राज्य में विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मंडल महामंत्री अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि यह जीत आम जनता की जीत है, जिसने विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में निवेश बढ़ेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा और विकास कार्यों में तेजी आएगी। इस मौके पर शिव कुमार सिंह, सुबोध सिंह, राम प्रकाश सिंह, रामानंद पांडेय, महेंद्र सिंह, अजय सिंह, संतोष सिंह, रविंद्र सिंह, आदित्य सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सिधेश सिंह, नवीन सिंह और उमेश सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरसिया में एनआईएस स्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न, प्रतिभाओं की दिखी झलक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरसिया स्थित एनआईएस इंटरनेशनल स्कूल का तीसरा वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अतिथियों और अभिभावकों का दिल जीत लिया। समारोह का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान बच्चों ने लोक नृत्य, नाटक और गीतों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य रहा, जिसने सभी का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के निदेशक राजकुमार ठाकुर सहित संस्थापक सदस्य सुरेश ठाकुर, अशोक गोस्वामी, लखन शर्मा, हिरामन साव, विजय दांगी और प्रकाश शर्मा ने किया। अपने संबोधन में विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी विकास करने की अपील की। साथ ही बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाकर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इससे पूर्व विद्यालय की प्राचार्या दीपशिखा मिश्रा ने स्वागत भाषण देते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, रामस्वरूप पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, जिप सदस्य आरती कौशल, पिंकी देवी सहित कई गणमान्य लोग, अभिभावक और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सलगा पंचायत में सांसद के द्वारा तीर्थ यात्रा का किया गया आयोजन

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में एक भव्य बैठक किया गया इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है की जो कुंवर प्रसाद साहू के में शिव मंदिर चोंगा और माइक से एलोस्मेंट किया था जो तीर्थ यात्रा में जाना चाहते हैं वह व्यक्ति अपना अपना आधार कार्ड और एक पासवर्ड साइज का फोटो लेकर कुंवर प्रसाद साहू के घर में जाकर संपर्क करना है कल दिनांक 4/05/2026 को पंचायत भवन में हजारी बाग से चल कर आए माननीय हजारीबाग के सांसद महोदय के वरिष्ठ पदाधिकारी आए और। माननीय श्री मनीषजसवाल के सौजन्य से तीर्थ अत्रियों पोर्टल तैयार किया गया जाने का समय दिनांक 28/05/2026 को शाम करीब शाम 4 बजे सियानी के दुर्गा पूजा ग्राउंड से रवाना होगा जो भी व्यक्ति स्वेच्छा पूर्वक जाना चाहते है जा सकते है जाने वाला का उम्र 55 साल से अधिक वाले को जाना सुनिश्चित हुआ है तीर्थ यात्रा जाने वाले व्यक्तियों को सिर्फ सांसद महोदय के द्वारा गाड़ी निशुल्क किया गया है और सांसद महोदय के लोकसभा सांसद तीर्थ यात्रा प्रभारी जुगनू सिंह के द्वारा बताया गया कि जो भी तीर्थ यात्रियों जाना चाहेंगे वह स्वयं अपना खाना पीना और ऑटो का भाड़ा अगर लगता है तो स्वयं देना होगा इसमें सांसद महोदय के द्वारा कोई फंड नहीं है सिर्फ जाने और आने का किराया सांसद महोदय के द्वारा किया गया है इस बैठक में मौके पर उपस्थित समाजसेवी कुंवर प्रसाद साहू ,प्रमोद साव ,प्रदीप महतो प्रेमचंद महतो, बेचन साव , पूर्व जिला कार्य करने सदस्य महेंद्र सिंह ,पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष नारायण यादव, सांसद सारथी नकुल साव,प्रकाश कुमार ,रंजीत कुमार ,अशोक कुमार, साव,तेजो साव राजेश सिंह,वासुदेव साव। जाने वाले व्यक्तियों से अनुरोध होगा कि कुंवर प्रसाद साहू से संपर्क करें इस बैठक में सैकड़ो महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

हाई वोल्टेज करंट से युवक की मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र के बरसोत निवासी 23 वर्षीय अरुण साव पिता स्व. मोहन कांदु की 11 हजार वोल्ट का करंट लगने से मौत हो गई, बताया जाता है कि युवक प्लंबर का काम करता था और काम के लिए बरकट्ठा थाना अंतर्गत संक्रेज निवासी कलीम अंसारी के घर गया था जहां छत के ठीक ऊपर से कुछ ही ऊंचाई पर 11 हजार वोल्ट का तार गुजरा था जिसकी जानकारी युवक को नहीं थी और काम करने के दौरान हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई, आनन-फानन में युवक को बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया, मृतक के साथ काम करने गए अरुण रजक ने आरोप लगाया कि मकान मालिक कलीम अंसारी के भाई सलीम अंसारी एवं मोइन अंसारी की पत्नी ने जबरदस्ती काम करने पर जोर दिया, बताया जाता है कि कुछ माह पूर्व भी इस तरह की घटना हो चुकी थी, मृतक अरुण साव के पिता का पहले ही देहांत हो चुका है और वह घर का इकलौता लड़का था, घटना के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस की प्रेसवार्ता का पत्रकारों ने किया बहिष्कार, काला बिल्ला लगाकर जताया विरोध

हजारीबाग : हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव सह प्रदेश उपाध्यक्ष गुंजन सिंह की मौजूदगी में महिला आरक्षण विधेयक पर बुलाई गई प्रेसवार्ता का स्थानीय पत्रकारों ने बहिष्कार कर दिया और कार्यालय के बाहर काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया, पत्रकारों का आरोप है कि 28 अप्रैल को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की मौजूदगी में स्थानीय लोगों एवं उनके समर्थकों ने पत्रकारों पर हमला किया था और घटना के दौरान मंत्री की चुप्पी उनकी असंवेदनशीलता दशार्ती है, पत्रकारों ने कहा कि जब तक मंत्री इरफान अंसारी व्यक्तिगत रूप से संवेदना व्यक्त कर माफी नहीं मांगते तब तक विरोध जारी रहेगा और न्याय मिलने तक आंदोलन चलता रहेगा, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर हुए इस प्रदर्शन में हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह, सचिव दीपक सिंह, वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण गुप्ता, अर्जुन सोनी, विस्मय अलंकार, राजकुमार गिरी सानू, एजाज आलम सहित बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए।

हाजी कल्लू खलीफा उर्फ निजामुद्दीन के सालाना पर जलसा का आयोजन

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत के लिबास क्लॉथ सेंटर एवं लिबास शॉपिंग मॉल बड़कागांव के प्रोपराइटर संघर्षशील एवं ईमानदार हाजी कल्लू खलीफा उर्फ निजामुद्दीन कि सालाना की मौके पर एक रूहानी अजीबो शान कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया ।कॉन्फ्रेंस की सदारत मोहम्मद इम्तियाज के द्वारा किया गया ।वहीं मंच का संचालन नकीब अजहर अल्ताफ केरेडारी ने किया ।इस मुबारक मौके पर पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव एवं झारखंड के कई मशहूर अलीम व औलमा तसरीफ फरमाए एवं अपने शेरो शायरी तथा तकरीर से लोगों को सुन्नते रसूल पर चलने को लेकर बातों को प्रमुखता से रखा ।और लोगों के रूह को ताज किया ।मौके पर पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव ने सभी को आदाब कर जलसे में तशरीफ फरमाए अलीमों को इस सरजमी में आने पर बड़कागांव की ओर से शुक्रिया अदा किया। श्री साव ने अपने संबोधन में कहा की यह संघर्षों का दौर चल रहा है। और हम और मेरा परिवार संघर्ष कर रहें है ।इस दौर में क्या चल रहा है इस सभी से आप लोग वाकिफ हैं। मैं कांग्रेस के खिलाफ कभी नहीं बोला हूं ।जो भी कंपनियां खुली है। वह लोगों को रोजगार नहीं दे रही है। गरीबों के लिए लड़ाई लड़ना मामूली नहीं। कॉन्फ्रेंस में मुफ्ती महबूब आलम मिस्बाही हजारीबाग, मुबारक हुसैन मुबारक गिरीडीह, मुफ्ती मोहिब रजा फैजी बोकारो, शराफत मेहंदी बड़कागांव, अजहर अल्ताफ केरेडारी, असगर अली बड़कागांव,मुफ्ती जफर साहब गोमिया ने अपने शेरो शायरी व तकरीर लोगों के बीच पेश किया।

ओवरलोड स्कूल वाहनों पर चला प्रशासन का हंटर कटे चालान, रजिस्ट्रेशन रद्द करने की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम सभी संबंधित स्कूलों को नोटिस भेज रहे हैं। यदि चेतावनी के बाद भी सुधार नहीं हुआ, तो केवल चालान नहीं काटा जाएगा, बल्कि वाहनों को सीधे जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। — अखिलेश कुमार, डीटीओ, रांची

रांची : राजधानी की सड़कों पर मासूमों की सुरक्षा को ताक पर रखकर दौड़ने वाले स्कूल वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने मोर्चा खोल दिया है। जिला परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने मंगलवार को संयुक्त अभियान चलाकर क्षमता से अधिक बच्चे ले जा रहे वैन और बसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। इस दौरान नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले दर्जनों वाहनों के मौके पर ही चालान काटे गए।

गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ही परिवहन विभाग ने स्कूल प्रबंधन और वाहन चालकों को सख्त चेतावनी दी थी। इसके बावजूद कई चालक अधिक कमाई के लालच में वैन और बसों में बच्चों को भेड़-बकरियों की तरह भरकर ले जाते दिखे। मंगलवार को छुट्टी के वक्त डीटीओ अखिलेश कुमार के नेतृत्व में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि सुबह के समय जानबूझकर जांच नहीं की गई ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो और वे समय पर स्कूल पहुंच सकें। हालांकि, छुट्टी के बाद पूरी राजधानी में घेराबंदी कर चेकिंग की गई।

नामी स्कूलों की वैन भी मिली ओवरलोडेड

प्रशासन की इस कार्रवाई की जद में शहर के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान भी आए। जांच के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित स्कूलों के वाहनों में अनियमितता पाई गई: ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, जेवीएम श्यामली, बिशप गर्ल्स स्कूल इन स्कूलों के बाहर और रास्तों पर जब वैन रोकी गईं, तो उनमें क्षमता से दोगुने बच्चे सवार थे। डीटीओ ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और बड़े नाम वाले स्कूलों को भी नियमों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

अगला कदम: जब्ती और लाइसेंस रद्द करना

परिवहन विभाग अब उन वाहन स्वामियों की सूची तैयार कर रहा है जो बार-बार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अगले चरण में ओवरलोड पाए जाने पर वाहनों का निबंधन रद्द करने और चालकों के लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

झारखंड में मौसम का बदला मिजाज 11 मई तक बारिश-वज्रपात का अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। बारिश के बाद तेज धूप निकलने से लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने 11 मई तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। इसे लेकर राज्यभर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मंगलवार के लिए रांची, खूंटी, बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग समेत कई जिलों में बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि की आशंका को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा तेनुघाट में 82.2 मिमी रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा लातेहार के बालूमाथ में 82 मिमी, मुसाबनी में 65.8 मिमी, पुटकी में 64 मिमी, धालभूमगढ़ में 56.6 मिमी और नवाडीह में 53.3 मिमी बारिश दर्ज हुई। कई अन्य इलाकों में भी अच्छी बारिश हुई है। तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के कांके में 15.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

मंगलवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बादल छा गए और मध्यम गति की हवा चली। धूप निकलने से उमस और गर्मी में इजाफा हुआ।

राज्य के अन्य प्रमुख शहरों के तापमान पर नजर डालें, तो रांची में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 19.6 डिग्री, जमशेदपुर में 36 और 22.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 39.6 और 22.6 डिग्री, बोकारो में 34.5 और 20.6 डिग्री तथा चाईबासा में 35.8 और 22 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच ने किया रांची में छाछ और ठंडे पानी का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच, रांची समर्पण शाखा द्वारा प्यार बांटते चलो नारे के तहत चलाए जा रहे 15 दिन 15 जनसेवा अभियान के अंतर्गत मंगलवार को बकरी बाजार स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राहगीरों और श्रद्धालुओं के बीच ठंडी छाछ और शीतल जल का वितरण किया गया।

गर्मी से परेशान लोगों को इस सेवा कार्य से काफी राहत मिली। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया।

कार्यक्रम का संचालन शाखा सदस्य कोमल पोद्दार के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने छाछ और ठंडा पानी ग्रहण किया।

शाखा की अध्यक्षा शुभा अग्रवाल ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाना और समाज में सेवा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर ऐसे जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सहायता मिल सके।

मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने जानकारी दी कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि 15 दिवसीय अभियान के तहत प्रतिदिन अलग-अलग सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

एयर एंबुलेंस दुर्घटना के पीड़ितों के साथ न्याय को लेकर राज्यपाल से मिला आजसू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : चतरा में एयर एंबुलेंस दुर्घटना के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग को लेकर डॉ पार्थ पारितोष के नेतृत्व में आजसू पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुपालन के लिए पहल करने का अनुरोध किया गया।

डॉ पार्थ पारितोष ने बताया कि मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने आश्वस्त किया कि उक्त ज्ञापन को मुख्यमंत्री और राज्य सरकार तक अतिशीघ्र अग्रसारित किया जाएगा, ताकि इस गंभीर मामले में जल्द कार्रवाई हो सके।

डॉ परितोष ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की ओर से इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यह बात स्वर्गीय डॉ विकास गुप्ता के पिता बजरंगी प्रसाद ने अवगत कराई, जिन्होंने बताया कि तीन दिनों पूर्व मंत्री से दूरभाष पर हुई बातचीत में भी यही बात कही गई थी।

साथ ही, मंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में भी इस आशय की बातें सामने आई हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने इस पूरे प्रकरण में स्पष्टता, जवाबदेही और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच करने, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई एवं पीड़ित परिवारों को जल्द न्याय तथा उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग दोहराई।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में डॉ अरुण कुमार, डीपी मिश्रा, डॉ विकास गुप्ता के पिता बजरंगी प्रसाद और उनके भाई सुभाष गुप्ता भी शामिल थे।

रांची के ब्रिजफोर्ड स्कूल में एआई व रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन, मंत्री ने कहा

छात्रों को तकनीकी ज्ञान में भी दक्ष बनाना जरूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि छात्रों को तकनीकी ज्ञान में भी दक्ष बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस शिक्षा ही बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सकती है।

मंत्री मंगलवार को तुपुदाना स्थित ब्रिजफोर्ड स्कूल में आयोजित अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया, जो छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कक्षा दसवीं के एआईएसएसई टॉपर्स, विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के प्री-नर्सरी से लेकर 10वीं कक्षा तक के टॉपर्स को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर छात्रों ने एआई और रोबोटिक्स से जुड़े विभिन्न मॉडलों का प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने काफी सराहा।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। छात्रों ने स्वागत गीत के साथ झारखंड की पारंपरिक संस्कृति को दर्शाते हुए नागपुरी नृत्य की ऊर्जावान प्रस्तुति दी, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण हो गया।

स्कूल की उपाध्यक्ष प्रियंका जालान ने कहा कि विद्यालय अपने मेधावी छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व करता है। उन्होंने बताया कि एआई और रोबोटिक्स लैब के माध्यम से छात्रों को भविष्य की तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना कर सकें।

वहीं, स्कूल की प्राचार्य मुनीष दुबे ने कहा कि ब्रिजफोर्ड स्कूल का लक्ष्य ऐसा शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है, जहां हर छात्र अपनी प्रतिभा को पहचान सके और उसे विकसित कर सके।

रांची नगर निगम का कड़ा एक्शन: 258 दुकानदारों की सूची जारी, साढ़े छह करोड़ का किराया बाकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी में नगर निगम की दुकानों पर कुंडली मारकर बैठे बकायेदारों के खिलाफ प्रशासन ने अब आर-पार की लड़ाई छेड़ दी है। शहर के विभिन्न बाजारों में स्थित निगम की दुकानों का किराया नहीं चुकाने वाले 258 दुकानदारों पर शिकंजा कसते हुए निगम ने उनकी सूची सार्वजनिक कर दी है। इन डिफॉल्टरों पर कुल 6,51,07,748 रुपये से अधिक की राशि बकाया है।

व्यापारियों में हड़कंप, कार्यालय पहुंचने लगे बकायेदार

निगम द्वारा डिफॉल्टरों की सूची आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक करने के बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। हालांकि, कुछ दुकानदार आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए राहत की मांग कर रहे हैं, लेकिन निगम ने साफ कर दिया है कि अब किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्रवाई के डर से अब कई दुकानदार बकाया चुकाने के लिए निगम कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

“निगम की संपत्तियों से मिलने वाला किराया शहर के विकास के लिए अनिवार्य है। बार-बार नोटिस के बाद भी भुगतान न करना गंभीर मामला है। अब प्राथमिकता के आधार पर सख्त कार्रवाई होगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे।”
— नगर निगम प्रशासन

चेतावनी के बाद भी अनसुनी, अब रद्द होगा आवंटन

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, इन दुकानदारों को पहले भी कई बार नोटिस और चेतावनी जारी की जा चुकी है, लेकिन बकाया भुगतान को लेकर कोई सकारात्मक पहल नहीं दिखी। कई मामलों में तो बकाया राशि लाखों में पहुंच गई है। अब निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ, तो दुकानों को सील करने के साथ-साथ उनका आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

विकास कार्यों पर पड़ रहा है बुरा असर

निगम प्रशासन का कहना है कि दुकानों से मिलने वाला किराया शहर के विकास कार्यों—जैसे सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था और जलापूर्ति—का मुख्य आधार है। किराए की वसूली न होने से नगर निगम की वित्तीय स्थिति चरमरा रही है और जनहित की योजनाओं की गति धीमी पड़ रही है।

एक नजर

हाई कोर्ट में एचआईवी संक्रमित बच्चों के मामले की सुनवाई

रांची : चाईबासा सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में कथित रूप से दूषित रक्त चढ़ाने के कारण एचआईवी से संक्रमित हुए पांच मासूम बच्चों को मुआवजा देने और उन्हें जीवनभर मुफ्त एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग से जुड़ी याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले में अदालत के आदेश के अनुपालन में चाईबासा के उपायुक्त (डीसी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) एवं सिविल सर्जन उच्च न्यायालय में वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए। वहीं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), चाईबासा के सचिव भी सुनवाई के दौरान ऑनलाइन जुड़े। न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पीड़ित बच्चों के परिवारों का सामाजिक बहिष्कार न हो। साथ ही डालसा चाईबासा को निर्देश दिया गया कि वह प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान करे। अदालत ने यह भी कहा कि बच्चों की शिक्षा किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि एक पीड़ित बच्चे के परिवार को घर से निकाल दिया गया है, जिसके कारण उसकी पढ़ाई प्रभावित हुई है। इस पर अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों के सदस्यों को उनके घर के पास अनुबंध के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

नामकुम अंचल के दाखिल-खारिज रिकॉर्ड गायब होने पर हाई कोर्ट सख्त

रांची : रांची के नामकुम अंचल से जुड़े दाखिल-खारिज के अभिलेख की सर्टिफाइड कॉपी उपलब्ध नहीं कराए जाने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत ने सुनवाई के दौरान संबंधित अंचल कार्यालय द्वारा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई और मामले की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी) से जांच कराने का आदेश दिया। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकारी कार्यालय से जमीन संबंधी महत्वपूर्ण रिकॉर्ड का गायब होना बेहद गंभीर मामला है। यह लापरवाही भी हो सकती है और साजिश भी। अदालत ने यह आशंका भी जताई कि कहीं गलत तरीके से दाखिल-खारिज तो नहीं किया गया, जिसके कारण जानबूझकर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि संबंधित अंचल कार्यालय दूसरे पक्ष से जुड़े दाखिल-खारिज की सर्टिफाइड कॉपी देने में लगातार टालमटोल कर रहा है। वहीं, प्रतिवादी पक्ष की ओर से बताया गया कि संबंधित दस्तावेज कार्यालय में न मिल रहा है।

कोविड लॉकडाउन के दौरान पेड़ कटाई मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई

रांची : वर्ष 2020 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान झारखंड के कई जिलों में वन विभाग के अधिकारियों द्वारा कथित रूप से सैकड़ों पेड़ों की अवैध कटाई से जुड़े अवमानना याचिका मामले की सुनवाई सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ के समक्ष हुई सुनवाई में एडीजी सीआईडी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा। सरकार ने अदालत को बताया कि मामले की जांच में प्रगति हुई है। एक नामजद आरोपी महाराज सिंह को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरे आरोपी मोहाफिज अंसारी के खिलाफ अभियोजन चलाने की स्वीकृति मिल चुकी है। पिछली सुनवाई में सरकार ने बताया था कि इस मामले में रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर, रेंजर, वन गार्ड और अन्य वन अधिकारियों की संलिप्तता पाई गई है, जिसके कारण जांच में देरी हुई।

संक्षिप्त खबरें

मेडिकल कॉलेजो के डिजाइन में होगा बदलाव, समिति गठित

रांची : झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार राज्य के मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के डिजाइन में सुधार कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सक्रिय हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को नेपाल हाउस में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे अपने विशेषज्ञ परामर्शदाताओं के साथ मिलकर विस्तृत डिजाइन और योजनाओं का प्रस्तुतीकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि तकनीकी दृष्टि से बेहतर और प्रभावी निर्णय लिया जा सके। उन्होंने भवन निर्माण विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि जहां आवश्यकता होगी, वहां मौजूदा डिजाइन में संशोधन या पुनर्रचना के लिए समिति ठोस अनुशंसा करेगी। बैठक में मुख्य रूप से अस्पतालों में रोगी प्रवाह (पेशेंट फ्लो) और कार्यप्रवाह (वर्कफ्लो) को वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित करने पर चर्चा हुई। आईसीयू, सीसीयू, एचडीयू, ऑपरेशन थियेटर, आईपीडी, कैथ लैब, डायग्नोस्टिक और रेडियोलॉजी केंद्रों के उचित स्थान निर्धारण को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। बैठक में बताया गया कि रिम्स सहित अन्य प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति का उद्देश्य निमार्णाधीन एवं निर्मित मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की समग्र योजना की समीक्षा करना तथा जरूरत के अनुसार भवन डिजाइन में सुधार कर मरीजों को अधिक सुगम, सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराना है। समिति में रिम्स के कई वरिष्ठ चिकित्सक एवं विशेषज्ञ शामिल हैं, जिनमें डॉ. हेमंत नारायण, डॉ. प्रदीप कुमार भट्टाचार्य, डॉ. अजीत कुमार डुंगडुंग और डॉ. अनिल कुमार कमाल प्रमुख हैं।

उषा मार्टिन फाउंडेशन में लेखन कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अनगडा : उषा मार्टिन फाउंडेशन के सभागार में रिपोर्ट/न्यूज/केस स्टडी/सफलता कहानी कैसे लिखें विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण सत्र जनप्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं फाउंडेशन के स्टाफ के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार संजय कृष्णा एवं अनुज कुमार सिन्हा ने प्रतिभागियों को प्रभावी लेखन की बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए अनुज कुमार सिन्हा ने कहा कि लेखन हमेशा इस सोच के साथ होना चाहिए कि आप किसके लिए और क्यों लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि खबरों में तथ्यात्मकता बनाए रखना बेहद जरूरी है और यदि किसी प्रकार का भ्रम हो तो खबर प्रकाशित करने से बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छी रिपोर्ट वही होती है जो दूसरों से अलग हो और जिसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। ऐसा लिखें कि आपकी रिपोर्ट किसी की जिंदगी बदल सके, उन्होंने कहा। साथ ही उन्होंने स्थानीय शब्दों के प्रयोग, फोटो के महत्व एवं पत्रकारिता के जिम्मेदार उपयोग पर प्रकाश डाला। वहीं, संजय कृष्णा ने कहा कि किसी भी खबर का इंट्रो छोटा, स्पष्ट और प्रभावी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक सतत सीखने की प्रक्रिया है, जिसमें निरंतर अभ्यास और सीखने की जरूरत होती है। उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि किसी भी समाचार का शीर्षक सबसे महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यही पाठकों को आकर्षित करता है। उन्होंने प्रभावी हेडिंग लेखन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस अवसर पर उषा मार्टिन के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट एन. के. पटोदिया, फाउंडेशन की प्रिया बागची, बरुण कुमार, भुनेश्वर महतो, मोनित भूतकुमार एवं संगीता कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

'इन्वेस्टिंग इन इंडिया एंड फाइनेंसियल स्टेटमेंट एनालिसिस' विषय पर सेमिनार का आयोजन

रांची : द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) तत्वावधान में रांची के आईसीएआई भवन में मंगलवार को इन्वेस्टिंग इन इंडिया एंड फाइनेंसियल स्टेटमेंट एनालिसिस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मेजबानी आईसीएआई, रांची शाखा ने की। सेमिनार में काफी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भाग लिया। सेमिनार के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए इंस्टिट्यूट के सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के सचिव और भीलवाड़ा राजस्थान के सीए निर्भिक गांधी शामिल हुए। चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए निवेश के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने विभिन्न सेक्टर्स जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल इकोनॉमी में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निवेशकों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी और बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराने के बजाय रणनीतिक निवेश पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने सरकार की नीतियों और सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को भी रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने संतुलित पोर्टफोलियो निर्माण के महत्व को समझाया।

202वां श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 202 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के सदस्य अरुण खुटेटा ने मण्डल के वरिष्ठ सदस्य प्रभुदयाल नारसरिया निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई एवं नर्सरिया परिवार ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुन: श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया श्याम जिज्ञासा नारसरिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अरुण खुटेटा रिषभ कुमार हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे। उपरुक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

एक नजर

मरकच्चो में 24 घंटे से ब्लैकआउट जनजीवन प्रभावित

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड क्षेत्र मरकच्चो में पिछले 24 घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप रहने के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली नहीं रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बिजली गुल रहने से पानी की समस्या भी उत्पन्न हो गई है, क्योंकि अधिकांश घरों में मोटर के सहारे ही जलापूर्ति होती है। वही मोबाइल चार्जिंग, पंखा, कूलर और अन्य आवश्यक बिजली उपकरण बंद रहने से लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है। छोटे बड़े व्यवसाईयों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुकानों में अंधेरा पसरा है, जिससे कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से अभिलंब समस्या का समाधान कर जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रुप से घायल

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा - गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित कानीकेंद में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान राहुल शर्मा उम्र लगभग 22 वर्ष पिता किशुन ठाकुर ग्राम धरगाँव, थाना नवलशाही निवासी के रुप में की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार युवक नवादा चौक से बरियारडीह की ओर जा रहा था, इसी दौरान कानीकेंद जंगल चंचाल गेट के समीप मोटरसाइकिल जे एच 11 ए एफ 7030 अनियंत्रित होकर गिर गया। जहाँ मोटरसाइकिल सवार गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते हीं नवलशाही थाना के एसआई रविप्रकाश पंडित घटना स्थल पर पहुंच कर आनन - फानन में घायल युवक को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया, जहाँ इलाज जारी है। घायल युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

हाथ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झुमरीतिलैया : बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनका स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है, और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विश्व हाथ स्वच्छता दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया द्वारा शिव तारा सरस्वती विद्या मंदिर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जाने-माने चिकित्सक डॉ. रौनक महर्षि ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से सही तरीके से हाथ धोने की प्रक्रिया को छह चरणों में समझाया और बताया कि नियमित एवं सही तरीके से हाथ धोने से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। बच्चों को सरल भाषा में समझाने के लिए पोस्टर के माध्यम से भी जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए गए, जिससे वे इसे आसानी से याद रख सकें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अजय पाठक को मंच के अध्यक्ष मोहित संघई द्वारा पौधा एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ. रौनक महर्षि को मंच के सचिव अतुल खेतान ने पौधा एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सहसचिव विकास जैन, कोषाध्यक्ष महावीर खेतान, मंच के सदस्य तुषार चौधरी सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अध्यक्ष मोहित संघई ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे हाथ धोने की आदत को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएंगे।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मंगलवार को उपायुक्त ऋतुराज ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत परखी। उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी रोस्टर की जांच करते हुए उपायुक्त ने सभी चिकित्सकों को समय पर ओपीडी और वार्ड ड्यूटी में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राउंड के दौरान अनुपस्थिति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी। बायोमेट्रिक उपस्थिति को सख्ती से लागू करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने वार्डों का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। इलाज, दवाओं और सुविधाओं को लेकर उनका फीडबैक लिया गया, ताकि जमीनी स्तर की समस्याओं को समझा जा सके।

आयुष्मान योजना पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज का लाभ बिना किसी बाधा के मिले।

दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश

स्टॉक रजिस्टर की जांच में उपायुक्त ने डॉक्टरों को केवल अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही लिखने को कहा, ताकि मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की जरूरत न पड़े।

स्वच्छता और अनुशासन पर फोकस

अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, अनुशासन और मरीजों के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने पर जोर दिया गया। लापरवाही या ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सिविल सर्जन रामगढ़ को डॉक्टरों की उपस्थिति की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

कोडरमा में रोटरी क्लब का प्रभावी योगदान गवर्नर ने योजनाओं का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : रोटरी क्लब 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता ने मंगलवार को रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा का अधिकारिक निरीक्षण किया। रोटरी क्लब के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया। रोटरी सभागार में हुई प्रेस वार्ता में उन्होंने रोटरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोडरमा रोटरी क्लब कोडरमा समाज सेवा के क्षेत्र मे काफी बेहतर काम कर रही है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संचालित परमानेंट सेवा प्रोजेक्ट की समीक्षा की उन्होंने बताया कि रोटरी सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब के द्वारा संचालित रोटरी आई हॉस्पीटल, रोटरी डायलिसिस सेंटर रोटरी बाल विद्यालय सहेली सेंटर के द्वारा आप जनों की सेवा करना क्लब की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावे रोटरी महिलाओं को स्वरोजगार से भी जोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि रोटरी सहेली सेंटर में दर्जनों महिलाएं व छात्राएं जुड़ कर स्वावलंबी बन रही है विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर रही है उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब नये सत्र के लिए कई नये कार्य योजना पर कार्य करने का विचार कर रही है जिसका जरूरतमंदों को बहुत लाभ मिलेगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण रोटरी ब्लड बैंक की स्थापना करने की योजना है, ताकि लोगों को ब्लड के लिए 60 किलोमीटर दूर हजारीबाग न जाना पड़े है। इसके अलावे उन्होंने बताया कि रोटरी केवल शहरी क्षेत्र तक हीं नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र तक भी अपनी सुविधाएं पहुंचाने को लेकर कटिबद्ध है। मौके पर रोटरी क्लब जोन -9 के असिस्टेंट गवर्नर नवीन सिन्हा, कोडरमा रोटरी क्लब के अध्यक्ष संतोष सिन्हा, सचिव संदीप सिन्हा, क्लब के पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर नवीन जैन पूर्व अध्यक्ष महेश दारूका, प्रतीक जैन माला दारूका रूपा रानी सिन्हा आदि मौजूद थे।

माकपा कार्यालय में कार्ल मार्क्स की जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यालय में क्रांतिकारी विचारक, अर्थशास्त्री और महान दार्शनिक कार्ल मार्क्स की 209 वीं जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने महामानव कार्ल मार्क्स को श्रद्धांजलि देकर याद करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में मजदूरों का राज कायम हो, मनुष्य के द्वारा मनुष्य का शोषण न हो और एक शोषण मुक्त समाजवादी व्यवस्था का निर्माण हो, यही मार्क्सवाद का मूल सिद्धांत है। 1848 में एंगेल्स के साथ मिलकर लिखे कम्युनिस्ट घोषणा पत्र के 177 वर्ष और इन दोनों की कालजयी किताब पूंजी (दास कैपिटल) को आये 158 वर्ष हो गए। मार्क्सवाद वैज्ञानिक दर्शन और विचार है। कार्ल मार्क्स ने कहा था कि बदलाव अपने आप नहीं होते, उन्हें ठोस परिस्थितियों का ठोस अध्ययन के आधार पर ठोस कार्यनीति बनाकर होता है। कार्ल मार्क्स का विचार समय और विज्ञान दोनों की कसौटी पर सही साबित हुआ है। दुनिया के तमाम दार्शनिकों ने समाज की व्याख्या की लेकिन सवाल उसे बदलने का है जिसका रास्ता मार्क्स दिखाया। मार्क्स ने कहा था की मजदूरों के पास खोने के लिए केवल गुलामी की जंजीरें हैं, लेकिन पाने के लिए सारी दुनिया है। कार्ल मार्क्स ने अपने एक महत्वपूर्ण लेख भारत संबंधी विचार में यहां 1855 - 56 में हुए संताल हूल का उल्लेख करते हुए इसे भारतीय जनता का पहला जन विद्रोह कहा था। धर्म के संबंध में मार्क्स का कहना था कि धर्म दबे कुचले लोगों के लिए काल्पनिक राहत है और जनता के लिए अफीम है। मार्क्स का यह कथन आज की परिस्थिति में सौ प्रतिशत सही है।

पतरातु में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया विजय उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

रामगढ़ : पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत के बाद पतरातु में जश्न का माहौल देखने को मिला। पीटीपीएस स्थित बड़कागांव विधायक आवासीय कार्यालय में विजय उत्सव का आयोजन किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जीत की खुशी साझा की। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और कार्यकर्ता एकजुट होकर इस ऐतिहासिक जीत को लेकर उत्साहित दिखे। इस अवसर पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, प्रभावी रणनीति और जनहितकारी नीतियों पर जनता के भरोसे का परिणाम है। उन्होंने इसे विकास, सुशासन और जनसेवा की जीत बताया। रोशन लाल चौधरी ने कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की मेहनत और आम जनता के समर्थन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगे भी जनसेवा के मार्ग पर चलते हुए देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रंजन भगत, प्रदेश प्रवक्ता ओबीसी मोर्चा महेंद्र महतो, जिला महामंत्री राजू चतुवेर्दी, जिला पार्षद राजाराम प्रजापति, सोशल प्रभारी संतोष शर्मा, दशरथ कुर्मी, मोहम्मद वारिस खान, किशोर महतो, गणेश ठाकुर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुजू पुलिस ने दुष्कर्म कांड के आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मांडू क्षेत्र के कुजू ओपी थाना पुलिस ने एक गंभीर आपराधिक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कुजू थाना कांड संख्या 211/25, दिनांक 07/09/26, धारा 376/323/506 आईपीसी के तहत दर्ज मामले में अभियुक्त पीकेश कुमार उर्फ कृष्णा कुमार, उम्र 28 वर्ष, पिता रामदयाल प्रसाद, निवासी दारूडीह, थाना दारू, जिला हजारीबाग को पुलिस ने गिरफ्तार किया। कुजू ओपी थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायालय रामगढ़ में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में पेशी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। कुजू पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिससे आम लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई।

नए नेतृत्व की नई उड़ान: सेंट फ्रांसिस स्कूल में पदग्रहण समारोह ने जगाई जिम्मेदारी और अनुशासन की भावना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सेंट फ्रांसिस स्कूल में इन्वेस्टीचर सेरेमनी (पदग्रहण समारोह) उत्साह, गरिमा और अनुशासन के माहौल में आयोजित किया गया। यह आयोजन छात्र नेताओं को जिम्मेदारियों से परिचित कराने और उन्हें संस्थान के मूल्यों के प्रति समर्पित करने का सशक्त मंच बना। कार्यक्रम का शुभारंभ कोऑर्डिनेटर सुष्मिता कुमारी के स्वागत भाषण से हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया। स्कूल के गायन दल ने मधुर प्रार्थना गीत प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को प्रेरणादायक और शांतिमय बना दिया। समारोह का मुख्य आकर्षण सत्र 2026-27 के लिए नव-निर्वाचित छात्र परिषद का पदग्रहण रहा। मुख्य अतिथि उमाशंकर वर्मा (थाना प्रभारी, बरकाकाना ओपी) ने सिस्टर दीप्ति (प्रबंधक), सिस्टर अमला और सिस्टर एंसी के साथ मिलकर छात्र नेताओं को बैज और सैश प्रदान किए। प्रधानाचार्या सिस्टर जैसिंथा ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में उमाशंकर वर्मा ने अनुशासन, समर्पण और पढ़ाई के महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी है। हेड बॉय अवनीत केशरी और हेड गर्ल रिया साह बने। प्रीफेक्ट्स निशांत नथानेल जय और सोनाली कुमारी नियुक्त हुए। नीरज कुमार और सारा हयात को स्पोर्ट्स कैप्टन व वाइस कैप्टन, दिव्यम और आलिया परवीन को अनुशासन कैप्टन व वाइस कैप्टन तथा ऋषभ साहू और दिव्या सिंह को स्वच्छता कैप्टन व वाइस कैप्टन बनाया गया। सफायर हाउस के आयुष पायल व शिवा धरती अग्रवाल, रूबी हाउस के निशांत ठाकुर व अनाबिया हुसैन, एमराल्ड हाउस के फहीम खान व पीहू कुमारी तथा टोपाज हाउस के प्रिंस गोप व रिद्धि कुमारी को नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। सेम्पी कुमारी, सुमन एक्का, ज्योति पांडे, अनुकृति कुमारी, सीमा शर्मा, निशु टिबरवाल, अलीशा परवीन, मुस्कान कुमारी, खुशी कुमारी, शकुंतला, प्रेरणा गुप्ता, प्रिया गुप्ता, परिका कोटेचा, बसंती कुमारी, एंजेलिना कैरेल, प्रियंका कुमारी, लक्ष्मी कुशवाहा, निशा रानी, दिव्या बारला, नेहा तिवारी, निशा अभिषेक, कंचन टिपू, नीतू पाठक, सुलेखा ज्योति कुमारी, विशाल पांडे, रिंकू प्रसाद, जितेंद्र, संतोष कुमार, अभिषेक आनंद, कृष्ण रवि और जेम्स ने नव-निर्वाचित कैबिनेट को शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त खबरें

इनरव्हील क्लब रामगढ़ ने नेत्रहीन बालिकाओं के सपनों को दी नई उड़ान

रामगढ़ : सामाजिक सरोकार को मजबूती देते हुए इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ की सदस्यों ने रांची स्थित ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय का दौरा कर सेवा और सहयोग का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्राओं के बीच उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय में कक्षा 1 से लेकर स्नातक तक कुल 32 नेत्रहीन छात्राएं अध्ययनरत हैं। यहां बालिकाएं कंप्यूटर शिक्षा के साथ कॉल सेंटर में कार्य करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही हैं, जो परिसर में ही संचालित है। क्लब की पहल ने इन छात्राओं के आत्मनिर्भर बनने के प्रयास को नई मजबूती दी। क्लब की ओर से छात्राओं को बेड कवर, लेगिंग्स एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। साथ ही दो बालिकाओं के कंप्यूटर एवं कॉल सेंटर प्रशिक्षण की फीस वहन कर उनके भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर फल, मिठाइयां और अन्य खाद्य सामग्री भी वितरित की गई, जिससे छात्राओं के चेहरे खिल उठे और पूरे परिसर में आनंदमय वातावरण बन गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष नमिता श्रॉफ के साथ पीडीसी शर्मिष्ठा दत्ता, मेघा बगरिया, नीरू साहनी, अनुराधा श्रॉफ, रंजू अग्रवाल, दीपा वडेरा, बिजया लक्ष्मी आएगर, पिंकी गांधी, जसमीत सोनी, श्वेता जैन और अंबाली जैन की सक्रिय उपस्थिति रही। नमिता श्रॉफ ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि क्लब भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को जारी रखेगा।यह पहल न केवल जरूरतमंद छात्राओं के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।

खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन छापेमारी अभियान, कई अनियमितताएं उजागर

कोडरमा : उपायुक्त के आदेशानुसार एवं विभागीय निदेर्शों के आलोक में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, कोडरमा अभिषेक आनंद द्वारा आज परसाबाद, कटिया एवं स्टेशन क्षेत्र स्थित विभिन्न किराना दुकानों, फल विक्रेताओं एवं मिष्ठान भंडारों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही कई थोक विक्रेताओं एवं मिष्ठान भंडारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। निरीक्षण के दौरान एक मिष्ठान भंडार में लड्डू में अखाद्य रंग का प्रयोग पाया गया, जिसके फलस्वरूप उक्त लड्डू एवं अखाद्य रंग को मौके पर ही नष्ट कराया गया। कई मिष्ठान भंडारों एवं किराना दुकानों में फूड लाइसेंस नहीं पाया गया, जिस पर सभी संबंधित दुकानदारों को 14 दिनों के भीतर लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। चावला किराना स्टोर में बिना निर्माण तिथि के 20 डिब्बे सोनपापड़ी पाए गए, जिन्हें निमार्ता कंपनी को वापस करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उक्त प्रतिष्ठान से फूड लाइसेंस अंकित पूजा में उपयोग होने वाला घी जब्त किया गया। चंद्रावती स्टोर से बिना फूड लाइसेंस अंकित 50 पैकेट रंगीन पेय पदार्थ जब्त किए गए। एक अन्य किराना स्टोर से सॉस का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु भेजा गया। फल विक्रेताओं द्वारा आम पकाने के लिए नियमानुसार एथिलीन पुड़िया का उपयोग पाया गया तथा कहीं भी प्रतिबंधित कार्बाइड का प्रयोग नहीं मिला। सभी फल विक्रेताओं को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में कार्बाइड का उपयोग न करें। गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी मिष्ठान भंडार, फूड स्टॉल, होटल, रेस्टोरेंट एवं ठेला-खोमचा संचालकों को स्वच्छता एवं हाइजीन का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री के विक्रय का निर्देश दिया गया। साथ ही एक्सपायरी, बासी अथवा सड़ी-गली खाद्य सामग्री को तत्काल नष्ट करने के सख्त निर्देश दिए गए। निमार्णाधीन खाद्य पदार्थों में केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं ऋरअक प्रमाणित फूड कलर का निर्धारित मात्रा में उपयोग करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से चाट-गोलगप्पा एवं मसाला विक्रेताओं को प्रतिबंधित एवं कैंसरकारक अखाद्य रंग (जैसे चांपिया रंग, पुड़िया रंग, सम्राट रंग, गाय छाप रंग, जलेबी रंग आदि) के उपयोग से सख्ती से मना किया गया। इस जांच दल में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के अतिरिक्त जिला परामर्शी दीपेश कुमार, जयनगर थाना अंतर्गत कटिया पिकेट, परसाबाद के सहायक अवर पुलिस निरीक्षक शिवराज उरांव, आरक्षी जितेंद्र महतो, आरक्षी वीरेंद्र शर्मा एवं अन्य कर्मी शामिल थे।

राजकीय पॉलिटेक्निक कोडरमा में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

कोडरमा : कोडरमा बागीटांड स्थित 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के तत्वावधान में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विजय कुमार , सेना मेडल के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 650 एनसीसी कैडेटों का आगमन हुआ। आगमन के पश्चात कैडेटों के आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कार्य ट्रेनिंग जेसीओ बलविंदर सिंह, एलडीसी सोहित कुमार सिंह एवं गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर शिवानी शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान कैडेटों के कैंप फॉर्म, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की गहन जांच की गई। तत्पश्चात सभी कैडेटों की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई गई तथा उनके रहने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस शिविर में राज्य के विभिन्न जिलों से 6 एनसीसी अधिकारी एवं गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर भी भाग ले रहे हैं। शिविर के डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट संतोष कुमार एवं सूबेदार मेजर जी.के. चौधरी के नेतृत्व में कैडेटों के आवास, बिजली, पानी एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। शिविर के प्रशिक्षक दल में सूबेदार चंपा मुरमू, सूबेदार आर.एन. हेंब्रम, सूबेदार जतरू तिर्की, नायब सूबेदार शशि कुमार, ट्रेनिंग एनसीओ सुधीर मिश्रा, हवलदार आदित्य मिश्रा, हवलदार अजीत कुमार, हवलदार विकास कुमार सिंह एवं हवलदार रितेश कुमार शामिल हैं। इनके द्वारा 6 मई से कैडेटों को शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट एवं टेंट पिचिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा के प्रधान सहायक राजेश कुमार, सहायक रणधीर कुमार, सहायक सिद्धार्थ कुमार, सहायक दिग्विजय कुमार एवं सहायक सोहित कुमार सिंह भी शिविर के सफल संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एक नजर

पटमदा मुखिया कार्यालय के पास बंटा चना गुड़

पटमदा : पटमदा बाजार स्थित पटमदा मुखिया परमेश्वर सिंह के कार्यालय के पास बंगला नववर्ष के प्रथम माह बैशाख के पावन अवसर पर समाजसेवी पूर्ण सिंह के द्वारा राहगीरों और ग्रामीणों के बीच चना गुड और शरबत का वितरण किया गया।उन्होंने कहा कि बैशाख की तपती गर्मी में राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम चलाया गया। ताकि सड़क पर चलने वाले राहगीरों को राहत मिल सके।इस दौरान कार्यक्रम में पूर्ण सिंह, अजय प्रामाणिक, राजेश दास, अजय दत्ता, सोमनाथ दत्ता, नरेश महतो, दिलीप शर्मा, देवदास दत्ता, उत्पल दत्ता, संजीव दत्ता विवेक, विशाल आदि उपस्थित थे।

अफवाहों पर लगाम लगाने को चौकीदार सक्रिय रहें : सीओ

खूंटी : जरियागढ़ थाना सभा कक्ष में मंगलवार को अंचल अधिकारी (सीओ) अन्वेषा ओना और थाना प्रभारी बिरेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में क्षेत्र के सभी चौकीदारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चौकीदारों को उनकी जिम्मेदारियों और कार्यशैली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अंचल अधिकारी अन्वेषा ओना ने निर्देश दिया कि सभी चौकीदार गांव-गांव में नियमित भ्रमण करें और क्षेत्र की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद या अफवाह की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि चौकीदार प्रशासन और आम जनता के बीच सबसे मजबूत कड़ी हैं, इसलिए उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चिंता जताई कि इन दिनों ग्राम प्रधान को लेकर विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। साथ ही कई गांवों में जमीन-जायदाद से जुड़े विवादों को लेकर बैठकें कर माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने की कोशिश की जा रही है। ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अंचल अधिकारी ने चौकीदारों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और गांवों में फैल रही अफवाहों पर नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद, आपसी रंजिश या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली हर सूचना को गंभीरता से लेते हुए समय पर थाना और अंचल कार्यालय को सूचित करें। लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी कहा गया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि चौकीदार सतर्क रहेंगे, तो असामाजिक तत्व अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाएंगे।

बादम में 7 मई को 'श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ' का भव्य वार्षिक महोत्सव

हजारीबाग : अध्यात्म और आस्था की संगम स्थली, मां पंचबहिनी मंदिर प्रांगण में आगामी 7 मई 2026 को 'श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ' का भव्य वार्षिक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। महायज्ञ समिति, बादम द्वारा इस धार्मिक अनुष्ठान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महोत्सव का शुभारंभ सुबह की पवित्र बेला में होगा और देर रात तक भक्ति की धारा बहेगी, प्रात: 07:00 बजे विशेष पूजा-अर्चना एवं अनुष्ठान का प्रारंभ। सांय 06:00 बजे: भव्य महाआरती। आरती के पश्चात विशाल भंडारा एवं महाप्रसाद का वितरण। रात्रि काल देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भव्य जागरण का कार्यक्रम।

झारखंड में बढ़ेगा मुखिया का मानदेय विभाग कर रहा मंथन : दीपिका पांडेय सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : झारखंड में मुखिया प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने की दिशा में सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। पंचायती राज विभाग इस संबंध में देश के विभिन्न राज्यों की व्यवस्था का अध्ययन कर रहा है, ताकि जनप्रतिनिधियों को सम्मानजनक मानदेय दिया जा सके। यह बातें ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सोमवार को पलामू प्रमंडल स्तरीय मुखिया सम्मेलन में कही।

मेदिनीनगर के गांधी स्मृति टाउन हॉल में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर तथा मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के मुखिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान बेहतर कार्य करने वाले मुखियाओं को मंच से सम्मानित भी किया गया।

मौके पर दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पंचायत जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की पहली कड़ी हैं और गांव, पंचायत, प्रखंड से ही राज्य की पहचान बनती है। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और प्रत्येक माह सुदृढ़ीकरण के लिए दी जा रही राशि से पंचायत भवनों की स्थिति में सुधार आया है।

उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों को प्राप्त राशि का उपयोग पेयजल, स्वच्छता और स्थानीय जरूरतों के अनुरूप योजनाओं में किया जाए। साथ ही अधिकारियों को कार्यों की सख्त मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अभावग्रस्त क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने पलामू क्षेत्र की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोगों ने गरीबी और सूखे का सामना किया है, इसलिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि मुखिया मानदेय वृद्धि का प्रस्ताव आने पर सरकार सकारात्मक निर्णय लेने को तैयार है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायती राज निदेशक राजेश्वरी बी, पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से की शिष्टाचार भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखण्ड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ जिला हजारीबाग इकाई ने कार्यकारी महासचिव रविन्द्र चौधरी के नेतृत्व में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन से मुलाकात कर शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे त्वरित कार्यों और परीक्षा परिणाम में गुणात्मक वृद्धि के लिए बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। इस दौरान संघ के कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, परितोष झा, नरेंद्र कुमार, महेंद्र राम, देवेंद्र कुमार, अरुण कुमार, रविकांत ओम, संतोष कुमार, डॉ. सुनील यादव, सुनील कुमार, रवि कुमार, किशोर कुमार ने डीईओ का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। संघ ने उपायुक्त के निर्देश पर पारदर्शी ढंग से 160 माध्यमिक शिक्षकों की सेवा संपुष्टि के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी का आभार जताया, मौके पर मौजूद शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ के सचिव संदीप कुमार ने प्रोन्नति से जुड़ी समस्याएं रखीं जिस पर डीईओ प्रवीण रंजन ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अवैध बालू संचालकों का खैर नहीं पुलिस ने किया बालू लदे एक हाइवा जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना पुलिस द्वारा मंगलवार को मिलन चौक सालुकडीह सड़क पर एक बालू लदे हाइबा को जब्त किया गया। पुलिस प्रशासन डाल डाल तो बालू माफिया पात पात वाला कहावत को चरितार्थ करते हुए चोरी छिपे अवैध बालू का परिवहन किया जा रहा है। अवैध बालू के खिलाफ जहां खनन विभाग और पुलिस प्रशासन काफी सख्ती से पेश आ रहे हैं, वहीं इस धंधे में संलिप्त बालू कारोबारी प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए चोरी छिपे बालू परिवहन करते पकड़े जा रहे हैं। ईचागढ़ थाना प्रभारी बजरंग महतो ने बताया कि मिलन चौक सालुकडीह सड़क पर पुलिस गस्ती दल द्वारा सुबह 7 बजे करीब एक बालू लदे हाइबा को पकड़कर चालान एवं वैध कागजात मांगा गया तो चालाक कागजात नहीं दिखा पाया और मौके से फरार हो गया। उन्होंने कहा कि बालू लदे हाइबा को ईचागढ़ थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है एवं विधि सम्मत कारवाई किया जा रहा है। इस संबंध में सक्षम पदाधिकारी को सुचित किया गया है, ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अवैध बालू के खिलाफ लगातार सख्ती बरती जा रही है। लगातार क्षेत्र में पुलिस गस्ती किया जा रहा है। बालू घाटों को भी ट्रैंच काट कर घाटों को अवरूद्ध किया गया है।

कोईलकारो परियोजना को रद्द करने के प्रति सरकार नहीं दिख रही गंभीर : जनसंगठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : कोईलकारो जनसंगठन की शीर्ष कमेटी की बैठक मंगलवार को तपकरा स्थित शहीद भवन में उपाध्यक्ष जोन जुरसेन गुड़िया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 05 जुलाई को मनाए जाने वाले विजय संकल्प दिवस, पारंपरिक ग्राम स्वशासन के विपरीत पेसा नियमावली और जेटेट परीक्षा की भाषा सूची में मुण्डारी भाषा को खूंटी और गुमला जिले में शामिल नहीं किए जाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने इन विषयों पर गहरा रोष व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में वर्तमान सरकार जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा और आदिवासी अस्तित्व, अस्मिता और पहचान की रक्षा के वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन डेढ़ वर्ष बीतने के बावजूद नीतियां इसके विपरीत बन रही हैं।

सदस्यों ने आरोप लगाया कि गजट अधिसूचना के माध्यम से महाविनाशकारी मानी जाने वाली कोईलकारो जल विद्युत परियोजना को रद्द करने के प्रति सरकार गंभीर नहीं दिख रही है। साथ ही मुण्डारी भाषा को लेकर सरकार का रवैया भी उपेक्षापूर्ण बताया गया, जिसे लेकर चिंता जताई गई। बैठक में इन सभी मुद्दों पर सरकार से स्पष्ट जवाब मांगने और दबाव बनाने की रणनीति पर सहमति बनी। बैठक में झारखंड उलगुलान संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा समेत मसीहदास गुड़िया, मदन सिंह, दुलार कन्डुलना, झिरगा कन्डुलना, हलन गुड़िया और जूनूल गुड़िया सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर बेचते युवक गिरफ्तार, 30 पुड़िया बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और अहम सफलता मिली है। मंगलवार को पुलिस उपाधीक्षक पटमदा बचनदेव कुजूर ने बताया कि 04 मई 2026 की शाम वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि मानगो के उलीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगा अस्पताल के सामने बजरंगबली मंदिर के पास कुछ लोग अवैध रूप से ब्राउन शुगर की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और उनके निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। योजना के तहत टीम रात में थाना से रवाना होकर बताए गए स्थल पर पहुंची और घेराबंदी की। पुलिस बल को देखते ही वहां मौजूद संदिग्ध लोग भागने लगे, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पकड़े गए युवक के काले पजामे की जेब से एक सफेद प्लास्टिक पाउच बरामद किया गया। पाउच खोलने पर उसमें 30 पुड़िया ब्राउन शुगर पाई गई। पुलिस ने मौके पर ही जांच कर इसकी पुष्टि की और विधिवत जब्ती सूची तैयार करते हुए कुल 2.51 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान मो हसन अंसारी (26) के रूप में हुई है, जो मानगो थाना क्षेत्र के आजाद बस्ती, रोड नंबर-14 का निवासी है। इस मामले में मानगो (उलीडीह) थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बिरसानगर पीएम आवास योजना: अधूरे कार्य पर नाराज लाभुकों का विरोध, सरयू राय ने दी अनशन की चेतावनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बिरसानगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों की चाबी वितरण को लेकर मंगलवार को विधायक सरयू राय के बिष्टुपुर स्थित आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 75 से अधिक लाभुकों के साथ जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार और जुडको के प्रोजेक्ट मैनेजर धनंजय कुमार भी मौजूद थे।

बैठक के दौरान आवास परियोजना के अधूरे कार्यों को लेकर लाभुकों ने गहरी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि लंबे समय से केवल आश्वासन मिल रहे हैं, जबकि जमीन पर काम पूरा नहीं हुआ है। कई लाभुक भावुक भी हो गए और उन्होंने अपनी गंभीर समस्याएं सामने रखीं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि आवास परिसर में सड़क, नाली और ड्रेनेज का कार्य अभी अधूरा है, जिसके कारण प्रोजेक्ट का हैंडओवर नहीं हो पाया है। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि ड्रेनेज कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि करीब एक महीने के भीतर शेष निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे, जबकि सड़क निर्माण के लिए राशि स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने स्पष्ट किया कि जब तक जुडको सभी बुनियादी सुविधाएं पूरी नहीं करता, तब तक परियोजना का हस्तांतरण जेएनएसी को नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कम से कम एक माह और लग सकता है, जिसके बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। लाभुकों ने बैठक में समयसीमा तय करने और लिखित आश्वासन देने की मांग की। इसके बाद सहमति बनी कि 31 मई तक सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे और इसके बाद चाबी वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी दौरान विधायक सरयू राय ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि यदि तय समयसीमा तक कार्य पूरा नहीं हुआ और लाभुकों को मकान की चाबी नहीं मिली, तो वे 1 जून से अनशन पर बैठेंगे। बैठक में बिजली मीटर कनेक्शन शुल्क का मुद्दा भी उठाया गया। लाभुकों ने आरोप लगाया कि अलग-अलग शहरों में एक ही योजना के तहत अलग-अलग दरें वसूली जा रही हैं।

पुलिस ने लापता व्यक्ति का पता लगाकर उसे परिवार से मिलाया

डोडा : डोडा पुलिस ने एक लापता व्यक्ति राकेश कुमार का सफलतापूर्वक पता लगा उसे उसके परिवार से मिला दिया है। एसएचो पीएस थाथरी की देखरेख में चलाया गया ऑपरेशन पुलिस टीम की समय पर कार्रवाई और समन्वित प्रयासों पर निर्भर था।

संक्षिप्त खबरें

पकवा नलाा के पास बोलोरो, ट्रैक्टर, बाइक झोपड़ी पानी में डूबे, भारी नुकसान, मुआवजे की मांग

बड़कागांव : सोमवार देर शाम हुई भारी बारिश के कारण जुगरा के पकवानाला वाला एवं न्यू पोखर में पहाड़ का पानी का भारी जामव हो जाने के कारण पानी बाढ़ का रूप ले लिया। जिसके कारण भौजी होटल के पास भारी बाढ़ आ गई। जिसमें राहुल कुमार के झोपड़ी ,बोलोरो ट्रैक्टर ,मोटरसाइकिल एवं पानी मशीन चपेट में आ गया जिसमें राहुल को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनटीपीसी के कोयला ट्रांसपोर्टिंग वाहनों को तकरीबन 15 घंटे तक रोके रखा। घटना की जानकारी मिलते ही सीआईएएफ की टीएम घटना स्थल पर पहुंची। एनटीपीसी की अधिकारियों से बातचीत करने के पश्चात ग्रामीणों के समझाने बुझाने के बाद कोयला ट्रांसपोर्टिंग शुरू हो पाया। घटना को लेकर पीड़ित राहुल कुमार ने बताया कि एनटीपीसी के गलत कार्यों के कारण यह घटना हुई है। घटना में मेरा बोलेरो ,ट्रैक्टर ,बाइक बुरी तरह से बर्बाद हो गया और झोपड़ी भी खत्म हो गया। मुझे भारी नुकसान हुआ है। मैं एनटीपीसी से मुआवजे की मांग करता हूं।

बिरेंद्र रजक ने भाजपा की प्रचंड जीत पर लोगों को मिठाई दी बधाई

बरही : पश्चिम बंगाल समेत तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। वहीं इस जीत पर चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने अपने कार्यकताओं के साथ मिठाई खिलाकर एक दूसरे को खुशिया साझा की है। इस दौरान चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने कहा कि यह जश्न सिर्फ एक राजनीतिक जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात का एक बेहद शक्तिशाली प्रमाण है कि देश में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और वर्तमान सरकार के प्रति अल्पसंख्यक लगातार मजबूत हो रहा है। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व की खुलकर तारीफ की। जश्न मना रहे लोगों ने स्पष्ट कहा कि मोदी – शाह के नेतृत्व मद देश में सुशासन, सुरक्षा और विकास को डीके शानदार रफ्तार मिल रही है। मौके पर दर्जनों लोग मौजूद थे।

विभावि में 111 ग्रेजुएट अप्रेंटिस की नियुक्ति, 17 मई तक करें ऑनलाइन आवेदन

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप स्कीम के तहत 111 ग्रेजुएट अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मई 2026 कर दी गई है, नोडल पदाधिकारी डॉ. इंद्रजीत कुमार ने बताया कि संभवत: यह अंतिम विस्तार है, 2021 से 2025 के बीच झारखंड के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से स्नातक करने वाले छात्र https://dhteapprenticeship.jharkhand.gov.inलिंक पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, चयन स्नातक के प्राप्तांक और झारखंड सरकार की आरक्षण नीति के आधार पर होगा, पारदर्शिता के लिए कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने समाज विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. रेणु बोस की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति बनाई है, चयनित छात्रों को एक साल तक प्रशिक्षण मिलेगा और हर महीने 12,000 रुपये स्टाइपेंड दिया जाएगा, डॉ. इंद्रजीत ने बताया कि मेधा सूची और ऑफलाइन वेरिफिकेशन की जानकारी के लिए आवेदक नियमित विभावि की वेबसाइट देखते रहें, यदि किसी आवेदन में कमी के कारण वेबसाइट पर रिवर्ट होता है तो छात्र तीन दिन के भीतर सुधार कर दोबारा जमा कर सकेंगे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,
ROAD DIVISION, GUMLA-835207, E-mail :- eercdgumla-jhr@nic.in

e-Procurement Notice
2nd Call
e-Tender Reference no.- **RCD/Gumla /295** **Dated :- 02.05.2026**

1	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल गुमला अन्तर्गत खूँटी–तोरपा– कोलेबिरा पथ के 61वें कि0मी0 में अवस्थित कोयल नदी पर उच्चस्तरीय सेतु (Span-7 x 35 m) निर्माण कार्य।
2	प्राक्कलित राशि	**Rs.- 175447957.00** (रू0 सत्रह करोड़ चौवन लाख सैतालीस हजार नौ सौ सत्तावन मात्र)
3	बीड सिक्युरिटी (राशि)	Rs.- 1755000.00
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह
5	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	08.05.2026 from 10.30 A.M.
6	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	29.05.2026 upto 12.00 Noon
7	निविदा खुलने का तिथि एवं समय	01.06.2026 at 12.30 P.M.
8	निविदा खुलने का स्थान	Chairman, e-Procurement Cell, RCD, Jharkhand, 3rd Floor, Project Building, Dhurwa, Ranchi-834004.
9	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गुमला। मोबाईल न0– 8709076211
10	ई–मेल	eercdgumla-jhr@nic.in
11	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का सहायता दूरभाष संख्या	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता,
प0नि0वि0 पथ प्रमण्डल, गुमला।

PR 379032 (Road) 26-27 (D)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 12/2026-27

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	19-05-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	20-05-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	20-05-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	(i) Supply and Installation of AC and Wall Mounted Decorative Light in PDJ Residence Simdega. (ii) Supply and Installation Wall Mounted LED Post Lamp in PDJ Residence Simdega. (iii) Supply and Installation of AC in PDJ Residential Building Simdega. (iv) Supply and Installation of AC and Wall Mounted LED Post Lamp in PDJ Residence Simdega.(Part-2)	9,95,450.00	20,000.00	1,250.00	01 (One) Month

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा

PR 379075 Simdega(26-27).D

बंगाल विस चुनावः इतिहास, भूगोल और संस्कृति के संगम पर बदली सत्ता की धारा

पश्चिम बंगाल का 2026 का जनादेश केवल एक राजनीतिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैचारिक प्रवाह का परिणाम है, जो दशकों से भीतर ही भीतर आकार ले रहा था। यह परिणाम उस संघर्ष, स्मृति और चेतना का प्रतिफल है, जिसकी जड़ें गंगोत्री से गंगासागर तक फैले भारतीय सभ्यता के मूल में समाई हुई हैं। बंगाल केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की वैचारिक राजधानी रहा है। यही वह भूमि है जहां रवीन्द्रनाथ टैगोर ने राष्ट्र की आत्मा को शब्द दिए, जहां महर्षि अरविंद ने आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की व्याख्या की, जहां बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने "वंदे मातरम" के माध्यम से स्वतंत्रता की चेतना जगाई और जहां स्वामी विवेकानंद ने "गर्व से कहो हम हिन्दू हैं" का उद्घोष कर आत्मसम्मान की लौ प्रज्वलित की। ऐसी भूमि पर जब सत्ता का चरित्र अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कटकर तुष्टीकरण की राजनीति में उलझ जाता है, तो प्रतिक्रिया केवल राजनीतिक नहीं होती—वह सामाजिक और वैचारिक भी होती है। पिछले पंद्रह वर्षों में ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल की राजनीति पर अक्सर यह आरोप लगा कि उसने विकास से अधिक वोट बैंक को प्राथमिकता दी। धार्मिक तुष्टीकरण, प्रशासनिक पक्षपात और कानून-व्यवस्था पर उठते सवालों ने धीरे-धीरे जनमानस में असंतोष का बीज बोया। यह असंतोष अचानक विस्फोट नहीं बना। इसके पीछे वर्षों का संघर्ष था—हजारों कार्यकताओं की कुबार्नी, राजनीतिक हिंसा के आरोप और जमीनी स्तर पर संगठन खड़ा करने की कठिन प्रक्रिया। इसी संघर्ष को एक दिशा मिली जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बंगाल को केवल चुनावी राज्य नहीं, बल्कि वैचारिक पुनर्जागरण की भूमि के रूप में देखा। यह रणनीति केवल भाषणों तक सीमित नहीं रही—यह बूथ स्तर तक पहुंची, समाज के हर वर्ग से संवाद स्थापित किया, और एक वैकल्पिक राजनीतिक विश्वास तैयार किया। इस पूरे परिदृश्य में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान एक प्रतीक बनकर उभरा। बंगाल की ही धरती के इस सपूत ने "एक देश, एक विधान" के लिए अपना जीवन दिया। 2026 का जनादेश कहीं न कहीं उस अधूरे स्वप्न की पूर्ति के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां बंगाल फिर से राष्ट्रीय धारा के केंद्र में खड़ा दिखाई देता है। यदि हम इसे भूगोल के संदर्भ में देखें, तो गंगोत्री से गंगासागर तक बहने वाली गंगा केवल एक नदी नहीं है—यह भारतीय संस्कृति की जीवनरेखा है। और बंगाल, जहां गंगा सागर में मिलती है, उस सांस्कृतिक यात्रा का अंतिम पड़ाव है। ऐसे में यहां का राजनीतिक परिवर्तन प्रतीकात्मक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसने उस धारणा को तोड़ा कि बंगाल केवल क्षेत्रीय राजनीति का गढ़ है। यह परिणाम बताता है कि जब वैचारिक संघर्ष, संगठनात्मक शक्ति और नेतृत्व का समन्वय होता है, तो सबसे मजबूत किले भी ध्वस्त हो जाते हैं। परंतु इस पूरे घटनाक्रम को केवल विजय के उत्साह में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह जनादेश एक जिम्मेदारी भी है—उस बंगाल को पुनर्स्थापित करने की जिम्मेदारी, जो ज्ञान, संस्कृति, सहिष्णुता और राष्ट्रीय चेतना का केंद्र रहा है। अंततः, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी- बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता नहीं बदली बल्कि इतिहास ने करवट ली है और इस करवट में संस्कृति, संघर्ष और संकल्प—तीनों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है।

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत "हिंदू वोट बैंक" तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर "बंग बचाओ" इस थीम पर "मतदाता जागरूकता अभियान" चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक "मील का पत्थर" और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर "निःशब्द विप्लव" या "मूक क्रांति" को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। "जय श्री राम" के साथ "जय मां काली" और "जय मां दुर्गा" जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे। चुनाव के दौरान जिस प्रकार से "अस्तित्व" एवं "अस्मिता" का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

सूडोकु नवताल- 7786

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7785 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

बदलते बंगाल की नई इबारतः वाम से ममता और अब भाजपा!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से विचारधाराओं, आंदोलनों और सत्ता संघर्षों की प्रयोगशाला रही है। 1977 से 2011 तक वामपंथ का लंबा शासन, उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का उदय और अब 2026 में भारतीय जनता पार्टी का स्पष्ट बहुमत- ये तीनों चरण वास्तव में इस राज्य के लिए जनमानस के बदलते विश्वास का प्रतिबिंब हैं।

1977 में ज्योति बसु के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में आया और अगले 34 वर्षों तक उसने राज्य की राजनीति पर एकछत्र राज किया। शुरूआती वर्षों में भूमि सुधार और पंचायत सशक्तिकरण जैसे कदमों ने ग्रामीण समाज को नई दिशा दी, लेकिन समय के साथ यही शासन तंत्र जड़ता का शिकार हो गया। सत्ता का केंद्रीकरण, राजनीतिक हिंसा और औद्योगिक विकास की कमी, हिन्दू अत्याचार, मुस्लिम तुष्टिकरण से जैसे राज्य की सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक गति को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था।

नंदीग्राम और सिंगूरः बदलाव की चेतना

2007 के नंदीग्राम और सिंगूर आंदोलनों ने वामपंथी शासन की नींव को हिला दिया। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उठे इन जनआंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता अब विकास के नाम पर जबरदस्ती स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इन घटनाओं ने जनता के भीतर परिवर्तन की इच्छा को मजबूत किया।

ममता बनर्जी का उदय और उम्मीदों का नया दौर

2011 में ममता बनर्जी ने "मां, माटी, मानुष" के नारे के साथ सत्ता संभाली। ममता बनर्जी ने खुद को गरीबों, किसानों और आम लोगों की नेता के रूप में स्थापित किया। शुरूआती वर्षों में उनकी लोकप्रियता चरम पर थी और लगा कि बंगाल एक नई दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता चला, लोगों के ध्यान में आया कि ममता बनर्जी भी उसी राह पर चल पड़ी हैं, जिसके चलते वामपंथी शासन का किला यहां की जनता ने ढहाया था। समय के साथ ममता सरकार पर भी वही आरोप लगने लगे जो कभी वामपंथ पर लगते थे। "कट मनी", राहत घोटाले और प्रशासनिक पक्षपात जैसे मुद्दों ने सरकार की विश्वसनीयता को कमजोर किया। स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकताओं का बढ़ता प्रभाव और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव ने शासन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए। पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा एक गंभीर समस्या रही है। 2021 के चुनावों के बाद हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा। आरोप लगे कि विपक्षी कार्यकताओं विशेष तौर पर बीजेपी के कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारियों को निशाना बनाया गया। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे और जनता के भीतर असुरक्षा की भावना बढ़ी।

महिला सुरक्षा और सामाजिक असंतोष

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों, विशेष रूप से आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं ने सरकार की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाया। जिस "मां, माटी, मानुष" के नारे के साथ ममता बनर्जी ने सत्ता संभाली थी, ध्यान में आया कि उनके शासन में लगातार महिलाओं पर हिंसा बढ़ी है, बलात्कार के अनेक मामले एक के बाद एक यहां सामने आए हैं। जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं का एक बड़ा वर्ग सरकार से निराश होता गया। यह असंतोष धीरे-धीरे राजनीतिक रूप लेने लगा और चुनावी परिणामों में आज इसका असर स्पष्ट दिखाई दिया है।

भाजपा का प्रवेशः विकल्प की तलाश का उत्तर

भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल में धीरे-धीरे अपनी जड़ें मजबूत कीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 42 में से 18 सीटें जीतकर पार्टी ने यह संकेत दे दिया था कि वह अब एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी छवि ने पार्टी को विश्वसनीय विकल्प के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां देखने में आता है कि भाजपा ने केवल चुनावी रणनीति पर ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक विस्तार पर भी जोर दिया। बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता, सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति और लगातार जनसंपर्क ने पार्टी को मजबूत आधार दिया। यह विस्तार सामाजिक स्तर पर भी प्रभावी साबित हुआ और आज भाजपा यहां निर्णायक सत्ताधारी दल के रूप में स्थापित होने जा रही है।

जनादेश का निर्णायक संदेश

अब तक के सामने आए विधानसभा चुनाव में बढ़त को देखकर लगता है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। यहां हुआ 92 प्रतिशत से अधिक मतदान यह दशार्ता है कि जनता ने इस बार निर्णायक बदलाव का मन बना लिया था। जोकि शासन के प्रति जनता के असंतोष का स्पष्ट संदेश है। कहना होगा कि भाजपा की जीत आज उस व्यापक जनभावना का परिणाम है जो बदलाव चाहती थी। लोगों ने भाजपा को एक ऐसे विकल्प के रूप में देखा जो स्थिरता, विकास और मजबूत शासन दे सकता है। भाजपा के सत्ता में आने से केवल सरकार नहीं बदलेगी, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में भी बदलाव की उम्मीद की जा रही है। हिंसा मुक्त चुनाव, पारदर्शी प्रशासन और विकास केंद्रित राजनीति, ये वे अपेक्षाएं हैं जो जनता भाजपा से कर रही है।

आर्थिक विकास की नई उम्मीदें

बंगाल लंबे समय से औद्योगिक विकास में पिछड़ता रहा है। भाजपा के नेतृत्व में निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। केंद्र और राज्य के बेहतर समन्वय से विकास को गति मिल सकती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति का यह सफर दशार्ता है कि जनता हमेशा बदलाव की तलाश में रहती है। 34 वर्षों का वाम शासन, 15 वर्षों का तृणमूल शासन और अब भाजपा का उदय, आज ये सभी उस लोकतांत्रिक चेतना के प्रतीक हैं जो समय-समय पर खुद को अभिव्यक्त करती है। 2026 का जनादेश पश्चिम बंगाल के लिए एक नई दिशा की शुरूआत है, जिसमें भाजपा के नेतृत्व में बंगाल एक नए अध्याय की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

लखनऊ का महापर्व 'बड़ा मंगल' के भंडारों की गैस किल्लत ने फीकी की रौनक

अजय कुमार

लखनऊ एक ऐसा शहर है जो अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और धार्मिक सौहार्द के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहाँ की गंगा-जमुनी तहजीब में जहाँ ईद की सेवइयाँ गली-मोहल्लों में बँटती हैं, वहीं जेठ के महीने में बड़े मंगल का उत्सव पूरे शहर को एक अलग ही रंग में रंग देता है। जेठ माह के पहले मंगल पर आज भंडारों का नजारा काफी बदला-बदला नजर आया।लखनऊ में बड़ा मंगल केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, यह लखनऊ की सामूहिक आत्मा का उत्सव है, जिसमें जाति, धर्म और वर्ग का कोई भेद नहीं रहता। हर गली, हर चैराहे पर भंडारे लगते हैं और हर आने-जाने वाले को प्रसाद मिलता है। जेठ माह के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार जेठ का महीना भगवान हनुमान को विशेष रूप से प्रिय माना गया है और मंगलवार का दिन तो वैसे भी बजरंगबली का दिन होता है। इसलिए जेठ के मंगलवार को हनुमान जी की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन हनुमान जी की आराधना करने से मनोकामनाएँ शीघ्र पूर्ण होती हैं और भक्तों के संकट दूर होते हैं। बड़े मंगल की परंपरा की शुरूआत के बारे में लखनऊ में एक बड़ी रोचक ऐतिहासिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि यह परंपरा नवाबी काल में शुरू हुई। अवध के नवाब नासिर-उद-दीन हैदर के शासनकाल में एक बार लखनऊ में भीषण गर्मी और अकाल जैसे हालात पैदा हो गए थे। उस समय अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर के महंत ने भगवान हनुमान से प्रार्थना की और जेठ के मंगलवारों को विशेष भंडारे आयोजित करने का संकल्प लिया। कहते हैं कि नवाब स्वयं इस आयोजन से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने न केवल इसमें सहयोग दिया बल्कि इसे प्रोत्साहित भी किया। तभी से अलीगंज का पुराना हनुमान मंदिर बड़े मंगल का केंद्र बन गया और धीरे-धीरे यह परंपरा पूरे लखनऊ में फैल गई। आज भी अलीगंज मंदिर में बड़े मंगल पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं और वहाँ का भंडारा सबसे भव्य माना जाता है। बड़े मंगल की खासियत यह है कि यह केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहता। पूरा शहर इसमें शामिल हो जाता है। व्यापारी, उद्योगपति, राजनेता, समाजसेवी संस्थाएँ और आम नागरिक कृ सभी अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार भंडारे लगाते हैं। गली-गली में पंडाल सजते हैं, भजन-कीर्तन की धुनें वातावरण को भक्तिमय बना देती हैं और पूड़ी-सब्जी, कढ़ी, छोले-चावल, लस्सी, आइसक्रीम जैसे पकवानों की सुगंध हर तरफ फैली रहती है। प्रसाद पाने के लिए किसी की जाति नहीं पूछी जाती, किसी का धर्म नहीं देखा जाता। यह सामूहिकता और समभाव ही बड़े मंगल को लखनऊ का सबसे लोकप्रिय लोकपर्व बनाती है।

लेकिन इस बार जेठ के पहले बड़े मंगल पर वह चिर-परिचित रौनक कुछ फीकी नजर आई। इसकी एक बड़ी वजह है रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतें। भंडारे लगाने वाले आयोजकों का कहना है कि पूड़ी-सब्जी बनाने में गैस की खपत सबसे अधिक होती है। कड़ाही में लगातार तेल गर्म करके पूड़ियाँ तलना और सब्जी पकाना एक लंबी और गैस-गहन प्रक्रिया है। इस बार गैस सिलेंडर की कीमतें और उपलब्धता दोनों ने आयोजकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नतीजा यह हुआ कि जो भंडारे लगे, उनमें से अधिकतर में पूड़ी-सब्जी की जगह कढ़ी-चावल और छोले-चावल ने ले ली। ये व्यंजन एक बार बनने के बाद गर्म रखने में कम ऊर्जा लगती है और स्वाद में भी श्रद्धालुओं को संतुष्ट करते हैं, लेकिन बड़े मंगल की पारंपरिक थाली जिसमें गरमागरम पूड़ी और आलू की सब्जी का जो आनंद था, वह इस बार कम दिखा। भंडारों की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी देखी गई। जो मोहल्ले हर साल दर्जनों भंडारे लगाने के लिए जाने जाते थे, वहाँ इस बार दो-चार ही आयोजन हो पाए। कुछ आयोजकों ने बताया कि गैस की व्यवस्था न होने पर वे लकड़ी या कोयले का उपयोग करने में असमर्थ थे क्योंकि शहरी इलाकों में यह व्यावहारिक नहीं है।

इस बार एक और कारण भी है जिसने पहले बड़े मंगल की भव्यता को कुछ विभाजित किया। इस वर्ष जेठ माह के साथ-साथ अधिकमास यानी लौंज का महीना भी पड़ रहा है। इस कारण इस बार जेठ में चार की बजाय आठ बड़े मंगल पड़ेंगे। श्रद्धालुओं और आयोजकों का उत्साह आठ मंगलों में बँट गया है। पहले जब चार ही मंगल होते थे तो हर एक पर पूरी ताकत और उत्साह लगाया जाता था, अब आठ मंगलों की श्रृंखला को देखते हुए लोगों ने शायद बाद के मंगलों के लिए अपनी तैयारी सुरक्षित रखी है। हालाँकि उत्सव का भाव पूरी तरह मंद नहीं पड़ा। शहर में जगह-जगह हनुमान जी के जयकारे गूँजते रहे और भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर पश्चिम बंगाल में पार्टी की जीत के जश्न के रूप में एक भव्य भंडारा आयोजित किया गया जो शहर में चर्चा का विषय रहा। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि बड़े मंगल का भंडारा अब केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक उपलब्धियों के उत्सव का माध्यम भी बन गया है। बड़ा मंगल लखनऊ की उस विशिष्ट पहचान का हिस्सा है जो इसे देश के अन्य शहरों से अलग करती है। गैस की किल्लत और बदलती परिस्थितियाँ भले ही इस बार कुछ रुकावट बनी हों, लेकिन जिस शहर की आत्मा में यह पर्व सदियों से बसा हो, वहाँ आस्था की लौ बुझने वाली नहीं है। आने वाले मंगलों पर लखनऊवासी फिर उसी जोश और उल्लास के साथ बजरंगबली के जयकारे लगाएँगे और भंडारों की रौनक शहर की फिजाँ में घुल जाएगी।

दैनिक पंचांग

6 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

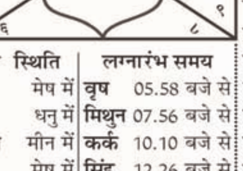

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.58 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.56 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.10 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.26 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.38 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.49 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.03 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.19 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.24 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	01.11 बजे से
		मीन	02.44 बजे से
		मेष	04.14 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 126 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 07.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 15.54 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 01.12 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 07.52 बजे तदनन्तर कौलव 21.04 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872701
जूलियन दिन 2461166.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पुलिस ने महेश मंडल को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र में दर्ज कांड संख्या 69/26 (दिनांक 04 मई 2026) में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त महेश मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त महेश मंडल, पिता बिनो मंडल, निवासी बालापोखर पथरिया, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज का रहने वाला है। जिसे कांड संख्या 69/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप है कि अभियुक्त की संलिप्तता मारपीट एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में पाई गई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। साथ ही आम लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

आग की चपेट में आई युवती, हालत गंभीर

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड दाल कुआं के पास आग से एक युवती गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां डॉक्टर आशुतोष कुमार ने प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। युवती कॉलेज रोड के रहने वाले मनोज की पुत्री निशा कुमारी (22) है। पीड़िता के भाई सौरभ कुमार ने बताया कि वे अपना सुनार दुकान में था। जबकि मां व बहन घर में थी। खाना बनाने के दौरान उसकी बहन झुलस गई। आसपास के लोगों से सूचना मिलने पर गया तो देखा कि उसकी बहन गंभीर रूप से झुलस गई। भाई ने बताया कि खाना बनाने के दौरान ही घटना हुई है। वही डॉक्टर ने बताया कि युवती 80 फीसदी झुलस चुकी है। हालत काफी नाजुक है। बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एसबीआई एटीएम गार्डों की नौकरी पर संकट, झामुमो ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

पूर्वी सिंहभूम : शहर में एटीएम की सुरक्षा में लगे करीब 140 गार्डों के सामने रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। ये सभी गार्ड पिछले लगभग 20 वर्षों से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न एटीएम केंद्रों पर अपनी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन हाल ही में सुरक्षा का ठेका बदलने के बाद इन्हें अचानक कार्य से हटा दिया गया। जानकारी के अनुसार, नई सुरक्षा एजेंसी डब्ल्यू डब्ल्यू एसओ इंटरप्राइजेज लिमिटेड को जिम्मेदारी मिलने के बाद पुराने गार्डों को बिना किसी पूर्व सूचना के हटा दिया गया। इस निर्णय से प्रभावित गार्डों और उनके परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। गार्डों ने आरोप लगाया कि उन्होंने वर्षों तक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य किया, इसके बावजूद उन्हें अचानक बाहर कर दिया गया। उनका कहना है कि उनसे पूरे 30 दिन कार्य लिया जाता था, लेकिन वेतन केवल 26 दिनों का दिया जाता था। इसके साथ ही पिछले 15 महीनों से उनके वेतन से भविष्य निधि (पीएफ) की राशि काटी गई, लेकिन वह उनके खातों में जमा नहीं की गई। इस मुद्दे को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) मंगलवार को गार्डों के समर्थन में सामने आया। पार्टी नेताओं प्रमोद लाल, शेख बदरूदीन और महाबीर मुर्मू के नेतृत्व में गार्डों का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने गार्डों की पुनर्बहाली सुनिश्चित करने और बकाया पीएफ राशि के भुगतान की मांग की।

जनता दरबार का हुआ आयोजन, डीसी ने त्वरित समाधान के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक- एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार में डीबीएल कोल कम्पनी से संबंधित, शिक्षा विभाग से संबंधित, अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित, गोचर जमीन से संबंधित, जाहेरस्थान घेराबंदी योजना से संबंधित, क्षतिग्रस्त मकान का मुआवजा से संबंधित एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

प्रत्येक प्रखंड एवं अंचल में सप्ताह में दो दिन होगा विशेष जनता दरबार का आयोजन

पाकुड़ : जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार, प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक विशेष जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं ऑन-द-स्पॉट समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी कार्यालय प्रधानों को निर्देशित किया है कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का विधिवत भौतिक सत्यापन करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें तथा की गई कार्रवाई से जन शिकायत कोषांग को अवगत कराना अनिवार्य होगा। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने प्रखंडों एवं अंचलों में निर्धारित दिवसों पर नियमित रूप से विशेष जनता दरबार का आयोजन सुनिश्चित करें। आमजन की सुविधा हेतु जनता दरबार की तिथि एवं समय की जानकारी सभी कार्यालयों के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस व्यवस्था का लाभ उठा सकें। उपायुक्त ने कहा कि आयोजित जनता दरबार में संबंधित प्रखंड एवं अंचल स्तरीय सभी पदाधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करते हुए उससे संबंधित प्रतिवेदन का संधारण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

चोरों ने किया इस्कॉन मंदिर में सोने-चांदी की आभूषणों की चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट बाजार स्थित हरे कृष्ण मंदिर में चोरों ने बीते रात को मंदिर परिसर से राधा-कृष्ण की प्रतिमा पर लगे चांदी के कई आभूषण की चोरी कर ली है। इस संबंध में मंदिर संचालक अनिल भगत ने बताया कि मंगलवार की सुबह जब वह पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर की साफ-सफाई कर रहे थे। इसी बीच राधा-कृष्ण की प्रतिमा पर जब नजर पड़ी तो देखा गया कि प्रतिमा से कई चांदी से निर्मित सामान गायब हैं। जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा में लगे चांदी के तीन बांसुरी,दो जोड़ी पायल,दो जोड़ी बाजूबंद के अलावा चांदी से निर्मित एक गौ माता की प्रतिमा तथा राधा जी के सिर पर लगे एक सोने की बिंदी गायब है। जबकि इससे पांच माह पूर्व मंदिर के अलमीरा में रखें लगभग 10000 की भी चोरी हो चुकी है। वहीं मामले में मंदिर प्रबंधक अनिल भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना मे लिखित आवेदन लेकर गया था. थाना प्रभारी चन्दन कुमार ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं मामले को लेकर थाना के एएसआई अशोक सिंह घटनास्थल पड़ताल हेतु पहुँचे। मंदिर में इस प्रकार की चोरी को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि चोरों ने कुछ ही दिनों पहले 100 मीटर की दूरी पर भूतेश्वर नाथ मंदिर से बैट्री इन्वर्टर चोरी हुई थी। इसके अलावा विगत एक माह में क्षेत्र में कई चोरी की घटना हो चुकी है। चोर की सक्रियता लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा ठप, वेतन नहीं मिलने पर कर्मचारियों की हड़ताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उस वक्त प्रभावित हो गईं, जब 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारी वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर चले गए। यह सेवा सम्मान फाउंडेशन द्वारा संचालित की जा रही है।कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें मार्च और अप्रैल 2026 का वेतन अब तक नहीं मिला है। इसके विरोध में 3 मई की शाम से उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सोमवार 4 मई को रांची के डोरंडा स्थित कार्यालय में कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया और प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें 6 से 11 हजार रुपये तक का कम वेतन मिलता है और वह भी समय पर नहीं दिया जाता। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि उन्हें अब तक ऑफर लेटर और पहचान पत्र नहीं दिया गया है। साथ ही पीएफ और ईएसआईसी जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जिससे इलाज जैसी बुनियादी जरूरतों में भी परेशानी हो रही है। वहीं, वार्ता के दौरान प्रबंधन ने सरकारी फंड में देरी का हवाला देते हुए 2 से 3 दिन का समय मांगा और कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील की। लेकिन कर्मचारियों ने साफ कर दिया कि जब तक वेतन उनके खाते में नहीं आता, वे हड़ताल जारी रखेंगे। झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नीरज तिवारी ने चिंता जताते हुए कहा कि इस स्थिति के कारण आम जनता को समय पर एंबुलेंस सेवा नहीं मिल पा रही है, जिससे जान का खतरा बढ़ गया है।

शेरशाहबादी समाज का आंदोलन तेज, दूसरे दिन भी जारी अनिश्चितकालीन धरना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड में शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में बड़ी संख्या में युवा, छात्र एवं समुदाय के लोगों ने स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और झारखंड सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। धरना स्थल पर सोसाइटी के सदस्य अजमाइल शेख ने कहा कि सुनियोजित तरीके से शेरशाहबादी समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मंडल आयोग और सच्चर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर इस समुदाय को अत्यंत पिछड़ा वर्ग के रूप में आरक्षण का लाभ मिल रहा था, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक स्तर में सुधार हो रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड गठन के बाद वर्ष 2012 तक शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था, लेकिन इसके बाद इसे अचानक बंद कर दिया गया। लंबे समय से पत्राचार, संघर्ष और आंदोलन के बावजूद प्रशासन और सरकार की ओर से अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। वहीं मुखिया मो. इस्तियाक ने कहा कि झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग सूची में शेरशाहाबादी जाति को 102 क्रमांक पर अधिसूचित किया गया है। इसके बावजूद अंचल प्रशासन इस समुदाय के लोगों को ह्यशेखह्व जाति का प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेरशाहाबादी, शेख जाति की उपजाति होते हुए भी अपनी अलग परंपरा, रहन-सहन और ऐतिहासिक पहचान रखती है। उन्होंने बताया कि बिहार के सीमांचल क्षेत्र, पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों तथा झारखंड के पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में इस समुदाय की विशिष्ट पहचान है। पूर्व में स्थानीय जांच के आधार पर शेरशाहाबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था, जिसे पुनः बहाल किया जाना चाहिए। धरना के दौरान खराब मौसम भी प्रदर्शनकारियों के हौसले को नहीं डिगा सका। सोमवार रात तेज आंधी और बारिश के बावजूद लोग प्रखंड मुख्यालय परिसर में डटे रहे।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब शासन-प्रशासन जनता की आवाज सुनने में असफल हो जाता है, तब आंदोलन ही अंतिम विकल्प बन जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक शेरशाहाबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर मास्टर मूसा, मुखिया इश्तियाक अहमद, शकील अहमद, सोयेब अख्तर, अजमाइल शेख, तोफाईल शेख, महमूद आलम, वाबिदुल्ला, अबुल कलाम, वासिम अकरम, अब्दुल तवाब, परवेज आलम, सद्दाम हुसैन सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों को प्रशिक्षण में जाने से करीब 2200 बच्चों का पठन-पाठन प्रभावित

साहिबगंज: तालझारी शिक्षकों को प्रशिक्षण में जाने से करीबन 2200 बच्चों की पठन-पाठन प्रभावित है। जनगणना 2026 में प्रखंड के कुल 173 शिक्षक को परगना के रूप में और 29 सुपरवाइजर के रूप में सुरक्षित परगणक के रूप में 17 और पर्यवेक्षक के रूप में तीन शिक्षक को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रखंड के कुल 143 विद्यालय में एकल शिक्षक 47 को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है परगनक और सुपरवाइजर के रूप में प्रशिक्षण ले रहे हैं शिक्षक को प्रशिक्षण लेने के क्रम में विद्यालय के बच्चों की पठन-पाठन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रखंड सभागार में पांच बैच में प्रशिक्षण दिया जा रहा है विद्यालय के एकल शिक्षकों ने बताया कि प्रशिक्षण में लेट से पहुंचकर शामिल होते हैं। बच्चे को एमडीएम की व्यवस्था कर अध्यक्ष, रसोईया को देखरेख की जिम्मेवारी सोंपी जाती है।

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' में आरपीएफ को बड़ी सफलता, 10 नाबालिग रेस्क्यू, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मानव तस्करी एवं शोषण पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत सफल अभियान चलाया। यह अभियान मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा आशिम कुमार कुल्लू, मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ/मालदा के पर्यवेक्षण में संचालित किया गया, जो मंडल की संवेदनशील व्यक्तियों की सुरक्षा एवं कानून प्रवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जहां बरहरवा रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर चार नाबालिग लड़कों के साथ दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। पूछताछ करने पर पता चला कि नाबालिगों को बिना उचित अनुमति रोजगार के बहाने राज्य के बाहर ले जाया जा रहा था। त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ ने चारों नाबालिग लड़कों को सुरक्षित बरामद किया तथा इस कृत्य में संलिप्त दो व्यक्तियों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि नाबालिगों को रोजगार एवं मजदूरी का झूठा प्रलोभन देकर बहलाया-फुसलाया जा रहा था। जहां एक अन्य घटना में दिनांक 04 अप्रैल 2026 को देर रात्रि जांच के दौरान बरहरवा रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र में छह नाबालिग बच्चे (चार लड़के एवं दो लड़कियां) बिना अभिभावक के संदिग्ध अवस्था में पाए गए। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उक्त नाबालिग अपने परिवार को बिना सूचित किए घर से निकलकर बाहरी क्षेत्रों में श्रमिक कार्य हेतु जाने का प्रयास कर रहे थे। सभी नाबालिगों को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने हेतु आरपीएफ पोस्ट लाया गया, जहां उनकी समुचित काउंसलिंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। सभी बचाए गए नाबालिगों को आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के उपरांत संबंधित प्राधिकरण/बाल कल्याण संगठन को देखभाल, परामर्श एवं पुनर्वास हेतु सौंप दिया गया। मानव तस्करी से संबंधित मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/बड़हरवा में शिकायत दर्ज कराई गई है।

संक्षिप्त खबरें

हिरणपुर में ग्राम सभा के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका का हुआ चयन

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड के केन्दुआ पंचायत अंतर्गत दलईपहाड़ आंगनबाड़ी केंद्र के लिए सेविका एवं सहायिका पद पर चयन की प्रक्रिया ग्राम सभा के माध्यम से संपन्न कर ली गई। चयन प्रक्रिया स्थानीय ग्रामीणों एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से पूरी की गई। ग्राम सभा में निर्धारित मानकों एवं शैक्षणिक योग्यता को प्राथमिकता देते हुए सेविका पद के लिए प्रिया पहाड़िन तथा सहायिका पद के लिए गौरी पहाड़िन का चयन किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने चयन प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया और इसे निष्पक्ष बताया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि नवचयनित सेविका एवं सहायिका आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों एवं महिलाओं के लिए बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे केंद्र की गतिविधियों में सुधार होने के साथ पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचेगा।

कोटालपोखर में भाजपा की जीत का जश्न, निकाली गई भव्य रैली

साहिबगंज: असम, बंगाल और पांडुचेरी में चुनावी जीत की खुशी में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने कोटालपोखर में जोरदार जश्न मनाया। मंडल अध्यक्ष विकास भगत के नेतृत्व में कार्यकताओं ने शांति चौक से जुलूस निकाला, जिसका समापन थाना रोड स्थित दुर्गा मंदिर में हुआ। रैली के दौरान कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते नजर आए। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर जीत की बधाई दी गई और मिठाइयां भी बांटी गईं। कार्यकर्ताओं के हाथों में पार्टी के झंडे लहरा रहे थे, जबकि भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष विकास भगत ने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री की नीतियों की जीत है। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी आगे भी जनता के विकास और कल्याण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। जश्न के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया और पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बन गया। कार्यक्रम में रंजीत कुमार साह, राजेश साह, प्रणव सिंह, गंगा घोष, जितेंद्र सिंह, अशोक साह, सीमा देवी, तारा देवी, सोनमुनि देवी, अनुप लाल रजक, बासुदेव कुमार, गोरांग मंडल, पंकज गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जानलेवा हमले मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र में जानलेवा हमले के एक गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, वादिनी जितनी मंडल पति सतिस मंडल, निवासी राधानगर, जिला साहिबगंज के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाना में कांड संख्या 144/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। दर्ज मामले में आरोप लगाया गया है कि अभियुक्त बिक्रम मंडल एवं एक अन्य ने जान मारने की नीयत से हमला कर वादिनी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126(2), 115(2), 117(2), 109(1), 351(2), 352 एवं 3(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई के क्रम में पुलिस ने मुख्य आरोपी बिक्रम मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। वहीं, घटना में शामिल अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में 12 दिनों से बिजली की आपूर्ति बाधित, विभाग सुस्त

साहिबगंज: बरहेट विधानसभा क्षेत्र के लबरी गांव में पिछले बारह दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित है, जिस कारण ग्रामीणों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में खराब हुए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है, जिस कारण ग्रामीण बिजली विभाग के रवैया से काफी नाराज हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लबरी गांव के दुर्गा मंदिर स्थित ट्रांसफार्मर से 60 परिवारों को बिजली की आपूर्ति होती थी, जो बारह दिनों पहले खराब हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने की लिखित शिकायत बिजली विभाग को दी गई थी, जिसके बाद बिजली विभाग द्वारा दो बार पुराना ट्रांसफार्मर लगाया गया, लेकिन बिजली की आपूर्ति उपभोक्ताओं को नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के एसडीओ को सूचित किया तो उन्होंने जल्द समाधान होने की बात कही, लेकिन ठेकेदार के द्वारा दो बार पुराना ट्रांसफार्मर ही लगा दिया गया, जो तुरंत खराब हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले छह महीने पहले भी 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जो बिजली आपूर्ति का लोड नहीं ले सका, और खराब हो गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से 100 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने का अनुरोध किया है, लेकिन बिजली विभाग बार-बार 25 केवी का पुराना ट्रांसफार्मर ही लगाने का प्रयास कर रहे हैं, जिस कारण गांव अंधकार में रहने को मजबूर है। बता दें कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों ही बिजली आपूर्ति की समस्या को यथाशीघ्र समाधान करने का निर्देश जारी किया है, इसके बावजूद लबरी गांव के ग्रामीणों को बिजली आपूर्ति का लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त साहिबगंज से मीडिया के माध्यम से मांग किया है कि यथाशीघ्र उनकी समस्या का समाधान करें, अन्यथा विवश होकर आंदोलन करेंगे।

एक नजर

हाटगम्हरिया के बीडीओ सालकु हेम्ब्रम का निधन

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम स्थित हाट गम्हरिया प्रखंड के विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सालकु हेम्ब्रम का मंगलवार तड़के निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और इलाज के लिए जमशेदपुर में भर्ती थे, जहां सुबह करीब 3 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन की खबर फैलते ही पूरे हाटगम्हरिया प्रखंड समेत जिले भर में शोक की लहर है। सालकु हेम्ब्रम एक कर्मठ, सरल और मिलनसार अधिकारी के रूप में जाने जाते थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आम लोगों से सीधे जुड़कर प्रशासन को जनहित के करीब लाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान करना उनकी कार्यशैली की पहचान बन गई थी। मनरेगा,प्रधानमंत्री आवास योजना,सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कई जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिला। उनके निधन से प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में गहरा दुख है। कई कर्मियों ने बताया कि वे न केवल एक सख्त लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी थे, बल्कि एक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाते थे। निधन की सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया प्रखंड कार्यालय परिसर में शोक का माहौल छा गया। अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला प्रशासन ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे प्रशासनिक सेवा के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

मजदूरी करने जा रहे दो श्रमिकों की सड़क हादसे में मौत, एक गंभीर

गिरिडीह : बिरनी थाना इलाके के रांची –दुमका मुख्य मार्ग में मंगलवार को मजदूरी करने पैदल जा रहे तीन मजदूरों को तेज रफ्तार पिकउप वैन ने रौंद दिया। इसमें दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। मृतकों की पहचान बिरनी के जितकुंडी निवासी वासुदेव साव (55) और लखिया देवी (57) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल की पहचान गनपत साव (58) के रूप में हुई है। सभी पैदल अपने घर से माखमरगो जा रहे थे तभी सरिया की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने तीनों को टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने मदद की पहल की और सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनी ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक की हालत गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने उक्त वाहन को जितकुंडी में अपने कब्जे में ले रखा है। सूचना मिलने पर बिरनी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

उग्रवादी और अपराधियों के खिलाफ अभियान के दौरान पांच गिरफ्तार

खूंटी : जिले में उग्रवादी मामले और आर्म्स एक्ट के वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की ओर से चलाए गए विशेष अभियान में अहम सफलता मिली है। इस अभियान के तहत पुलिस ने कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि उग्रवाद और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में वांछित तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, अन्य आपराधिक कांडों में फरार चल रहे दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस ने दबोच लिया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों और किसी भी स्थिति में बंद नहीं रहें।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 14 तारीख को सभी केंद्रों एवं संबंधित गृहों में बाल भोज दिवस का आयोजन किया जाए तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने छह वर्ष से अधिक आयु के बच्चों का नजदीकी विद्यालयों में नामांकन अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही टेक होम राशन के लाभुकों का शत-प्रतिशत एफआरसी कार्य पूर्ण करने, आंगनबाड़ी केंद्रों में हैंडवॉश यूनिट एवं फेवर ब्लॉक का निर्माण कराने तथा एक माह के भीतर सभी केंद्रों का विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, शौचालय निर्माण, मनरेगा एवं पीएम जनमन के तहत बन रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने को कहा।

साथ ही ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस तथा समर अभियान को नियमित रूप से संचालित करने पर जोर दिया। उपायुक्त ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रोजेक्ट बचपन के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन, गुड टच-बैड टच की जानकारी तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं डायन बिसाही और बाल तस्करी की रोकथाम के लिए "प्रोजेक्ट अलख" के तहत मानकी-मुंडा, मुखिया एवं पंचायत सचिवों के साथ जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित करने को कहा। जिला बाल संरक्षण कार्यालय की समीक्षा के दौरान मिशन वात्सल्य योजना के तहत स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, वन स्टॉप सेंटर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में बताया गया कि जिले में 414 बच्चों को स्पॉन्सरशिप, 8 परिवारों में 17 बच्चों को फोस्टर केयर तथा 4 बच्चों को आफ्टर केयर का लाभ मिल रहा है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विधवा पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं के बच्चों को भी आवश्यकतानुसार योजनाओं से जोड़ा जाए तथा गुदड़ी और टोंटो प्रखंड में बाल संरक्षण योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पैरा लीगल वालंटियर की भूमिका की समीक्षा करते हुए बाल सुधार गृह सहित सभी संस्थानों का नियमित निरीक्षण एवं लाभुक बच्चों का भौतिक सत्यापन कराने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

टाटानगर रेलवे स्टेशन से पॉकेटमार गिरोह का शातिर सदस्य गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : टाटानगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को निशाना बनाकर जेबकतरी करने वाले गिरोह के खिलाफ रेल पुलिस को अहम सफलता मिली है। दो मई को सोशल मीडिया और विभिन्न न्यूज चैनलों पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर की गई कार्रवाई में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने गिरोह के एक शातिर सदस्य मोहम्मद ताबिश को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत अंजाम दिया गया, जो रेलवे परिसरों में अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार चलाया जा रहा अभियान है।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में एक युवक टाटानगर रेलवे स्टेशन के टिकट घर यानी यूटीएस काउंटर पर लगी लंबी कतार में खड़े यात्रियों की जेब काटने की कोशिश करते हुए साफ तौर पर नजर आ रहा था।

वीडियो सामने आते ही रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेल पुलिस (जीआरपी) हरकत में आ गई और संदिग्ध की पहचान कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ चक्रधरपुर मंडल के नेतृत्व में और रेल एसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई।

सोमवार शाम आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने स्टेशन परिसर और आसपास के इलाकों में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान आरोपित मोहम्मद ताबिश को दबोच लिया गया। पूछताछ में पता चला कि वह मूल रूप से बिहार के गया जिले का रहने वाला है और फिलहाल जमशेदपुर के मानगो स्थित आजाद बस्ती इलाके में रह रहा था।

विधिक जागरूकता के लिए एलईडी वैन रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार ने मंगलवार को झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध कराई गई एलईडी जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन विधिक जागरूकता टीम के साथ जिले के विभिन्न दूरस्थ इलाकों में भ्रमण कर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगी।

यह पहल डीएलएसए की ओर से 28 अप्रैल से शुरू किए गए 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता और पहुंच कार्यक्रम का हिस्सा है, जो तीन चरणों में संचालित होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और जनजातीय समुदायों तक पहुंच बनाकर उन्हें विधिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं और निःशुल्क कानूनी सेवाओं की जानकारी देना है। पहले 15 दिनों की कार्ययोजना के तहत एलईडी वैन जिले के छह प्रखंडों की विभिन्न पंचायतों– सोडे, तिरला, सोंदारी, हीथ गोवा, हकाजांग, गुटजोरा, तंबा, टिंटिला, तपकारा, कुड़ा, बकासपुर, तिलमा, बनई, सोसो कुट्टी और उड़ीकेल में पहुंचेगी। इस दौरान टीम ग्रामीणों से सीधे बातचीत करेगी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नागरिकों के मौलिक अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही एलईडी वैन के माध्यम से जागरूकता वीडियो और नालसा गीत का प्रसारण कर संदेश को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। यह जानकारी डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा ने दी।

आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर हुई राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 12 के खूंटी टोली में सोमवार की रात आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। आगजनी में मकान के छह कमरे जलकर बर्बाद हो गए। आशंका जताई जाती है कि शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी होगी।

घटना सोमवार की रात करीब साढ़े दस बजे की बताई जाती है। आगजनी की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सहदेव महतो के घर में अचानक आग लगने से देखते ही देखते पूरा मकान इसकी चपेट में आ गया। आग इतनी भयावह थी कि घर के छह कमरे पूरी तरह जलकर राख हो गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते कार्रवाई होने से आग को आसपास के घरों में फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

जानकारी के अनुसार, सहदेव महतो ने अपने मकान को किराए पर दे रखा था, जहां कई परिवार रह रहे थे। आगजनी की इस घटना में किरायेदारों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। किरायेदार मुनिया देवी ने बताया कि उनकी लगभग 10 लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। उन्होंने कहा कि बहन की शादी के लिए खरीदे गए गहने, नगदी और अन्य जरूरी सामान भी आग की भेंट चढ़ गए।

वहीं, एक अन्य किरायेदार राजलो डुंगडुंग ने बताया कि वे बाजार में समोसा और गुलगुला बेचकर धीरे-धीरे पूंजी जमा कर रहे थे, ताकि गांव में घर बना सकें। लेकिन इस हादसे में उनकी जीवन भर की जमा पूंजी, जमीन के कागजात सहित सभी जरूरी दस्तावेज और घरेलू सामान जलकर खाक हो गए।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। स्थानीय वार्ड सदस्य अनिल कच्छप ने बताया कि मामले को लेकर विभागीय प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी और आपदा प्रबंधन विभाग के तहत पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव सहित पांच आरोपी बरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल गौरव की अदालत ने वर्ष 2013 में उपायुक्त कार्यालय परिसर में जन समस्याओं को लेकर हुए धरना-प्रदर्शन और कथित हंगामे के मामले की सुनवाई की। अदालत ने मंगलवार को सभी आरोपितों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

इस मामले में पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव, राहुल सिंह, धनंजय सिंह, डीएन सिंह और आरबी सरन भी आरोपित बनाए गए थे। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप को सिद्ध करने में असफल रहा, जिसके कारण सभी आरोपितों को बरी किया जाता है।

मिली जानकारी के अनुसार, 4 जनवरी 2013 को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के सैकड़ों कार्यकर्ता विभिन्न जन समस्याओं–जैसे स्थानीय मुद्दों, प्रशासनिक लापरवाही और जन सुविधाओं की मांग–को लेकर जमशेदपुर स्थित उपायुक्त कार्यालय में धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

इस संबंध में उपायुक्त कार्यालय के लिपिक अलखेन खलको के बयान पर बिष्टुपुर थाना में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल तीन गवाह पेश किए गए, लेकिन अदालत ने पाया कि गवाहों के बयान आरोपों को ठोस रूप से साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू, बविता जैन, धर्मेंद्र सिंह निकू और दीपा सिंह ने विस्तृत और प्रभावी दलीलें प्रस्तुत कीं।

सांसद ने ग्रामीणों को सड़क निर्माण संबंधी समस्या के समाधान का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पथ निर्माण विभाग की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग-75ई उलीडीह-चैनपुर-सहजोड़ा-महुलपानी-चारमोड़ तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच सांसद जोबा मांझी मंगलवार को बोड़दा गांव पहुंचीं और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने रैयतों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि सड़क निर्माण कार्य लोगों की सहमति और हितों को ध्यान में रखकर ही किया जाएगा।

ग्रामीणों ने सांसद को बताया कि सड़क चौड़ीकरण के कारण कई परिवारों के घर और जमीन प्रभावित हो सकते हैं, जिससे उनके सामने बेघर और भूमिहीन होने का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट मांग रखी कि सड़क की चौड़ाई 18 फीट से अधिक न बढ़ाई जाए, ताकि नुकसान कम से कम हो सके।

इसके अलावा ग्रामीणों ने गांव के भीतर पीसीसी सड़क के बजाय पिच सड़क बनाने और जल निकासी के लिए समुचित नाली निर्माण की भी मांग की। उनका कहना था कि इससे न केवल आवागमन बेहतर होगा, बल्कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। सांसद जोबा मांझी ने ग्रामीणों की चिंताओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विकास कार्य किसी भी कीमत पर आम जनता को नुकसान पहुंचाकर नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संबंधित विभाग के साथ समन्वय कर ऐसा समाधान निकाला जाएगा, जिससे सड़क निर्माण भी हो और लोगों के घर-जमीन भी सुरक्षित रहें। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की अगली बैठक में प्रमुखता से उठाया जाएगा, ताकि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जा सके।

ग्रामीणों से बातचीत के बाद सांसद ने मौके पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। इस दौरान चैनपुर पंचायत के मुखिया साहेब हेम्ब्रम, ग्राम मुंडा बसंत कुमार महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त राजीव रंजन ने सदर अस्पताल की व्यवस्थाओं में दिए सुधार के निर्देश

जमशेदपुर : जिले के उपायुक्त राजीव रंजन ने मंगलवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। बिना पूर्व सूचना पहुंचे डीसी के दौरे से अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मच गया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ओपीडी,एक्स–रे यूनिट, एनआईसीयू, पीआईसीयू और ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। उन्होंने मरीजों के लिए बनाए गए वेटिंग एरिया, वाशरूम, किचन और डॉक्टरों के कक्ष का भी निरीक्षण किया। डीसी ने स्पष्ट कहा कि मरीजों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण इलाज देना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इमरजेंसी वार्ड में अत्यधिक भीड़ और पंजीकरण में हो रही देरी को देखते हुए उपायुक्त ने तुरंत अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन काउंटर खोलने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाओं में देरी सीधे मरीजों की जान से जुड़ा मामला है, इसलिए व्यवस्था दुरुस्त रखना अनिवार्य है। इसके अलावा डीसी ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल की सेवाओं पर फीडबैक लिया। ब्लड बैंक का निरीक्षण कर रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए,वहीं कैंटीन की साफ–सफाई और भोजन की गुणवत्ता पर भी सख्ती दिखाई। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने व्यवस्थाओं को आंशिक रूप से संतोषजनक बताया,लेकिन कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश देते हुए 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाने की बात कही। उन्होंने चेतावनी दी कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कीटनाशक दवा पीने से महिला की मौत

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के चिटरी गांव में महिला सुन्दारी डाड़का (57) की कीटनाशक दवा पीने से मौत हो गई। मृतका के पति का नाम सुखराम डाड़का है। परिजनों के अनुसार, सुन्दारी डाड़का ने गलती से चींटी मारने वाली दवा को सामान्य दवा समझकर पी लिया। घटना के समय घर के अन्य सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। जब वे वापस लौटे तो महिला की हालत बिगड़ी हुई थी। स्थिति गंभीर होने पर परिजन उन्हें तत्काल गोइलकेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल, चाईबासा रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान सोमवार देर रात उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, जहरीले पदार्थ का असर तेजी से फैलने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतका के परिजनों ने बताया कि उनकी तबीयत पहले से ठीक नहीं रहती थी और आंखों की रोशनी भी कमजोर थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण उन्होंने दवा की सही पहचान नहीं कर पाई और गलती से कीटनाशक पी लिया। सुन्दारी डाड़का अपने पीछे छह बच्चों का परिवार छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

लोहरदगा में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान की शुरूआत, एलईडी वैन रवाना

लोहरदगा : लोहरदगा में आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की गई। यह अभियान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा राजकमल मिश्रा के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पीडीजे सह अध्यक्ष डालसा ने जागरूकता एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वैन जिले के विभिन्न गांवों में जाकर लघु फिल्मों और ऑडियो–वीडियो माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करेगी। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके तहत लोगों को कानूनी अधिकारों, महिला एवं बाल अधिकार, साइबर अपराध, नशामुक्ति और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एलईडी वैन के साथ पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) भी मौजूद रहेंगे, जो गांव–गांव जाकर लोगों को विधिक सहायता के प्रति जागरूक करेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर लोग इसका लाभ उठा सकें। इस मौके पर एडीजे प्रथम स्वयंभू, सीजेएम केके मिश्रा, रजिस्ट्रार व्यवहार न्यायालय अमित कुमार, सिविल जज जूनियर डिवीजन सह पीएमजेजेबी जया स्मिता कुजूर, लोक अभियोजक भरत राम सहित कई न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ता और पीएलवी उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा का रुख पूरी तरह से विरोधाभासी : दयामनी बारला

पूर्वी सिंहभूम : जिला महिला कांग्रेस की ओर से मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित तिलक पुस्तकालय, कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दयामनी बारला ने केंद्र सरकार और भाजपा की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा का रुख पूरी तरह विरोधाभासी है। एक ओर सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की बड़ी–बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी ओर इस कानून को लागू करने में जानबूझकर देरी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अधिनियम को जनगणना और परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं से जोड़कर इसके प्रभाव को टालने की कोशिश की जा रही है, जिससे महिलाओं को वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है। दयामनी बारला ने कहा कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में महिलाओं के अधिकारों और भागीदारी को लेकर गंभीर है, तो 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि महिलाओं की सुरक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और पोषण जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार की ठोस उपलब्धियां क्या हैं। उनके अनुसार, भाजपा केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर महिलाओं की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने भाजपा की ओर से प्रस्तावित मशाल जुलूस को भी आड़े हाथों लेते हुए इसे राजनीतिक दिखावा करार दिया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य जनता का ध्यान वास्तविक समस्याओं से भटकाना है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की महिलाएं अब जागरूक हो चुकी हैं और वे इस तरह के राजनीतिक प्रयासों को भली–भांति समझती हैं। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे। जिलाध्यक्ष परविंदर सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, सरायकेला की संगीता प्रधान और पश्चिम सिंहभूम की राखी सुलेजा ने संयुक्त रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। स्थानीय निकायों से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है। पार्टी नेत्री नलिनी सिन्हा ने कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिला महिला कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसी भी प्रकार के राजनीतिक भ्रम या छलावे को सफल नहीं होने देगा और महिलाओं की आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा। इस अवसर पर अपर्णा गुहा, बहामनी टुडू, शबाना परवीन, रजनी बंसल, सीमा मोहंती, गुड्डी देवी, सुनीता मिश्रा, ईशा कुमारी, लखबीर कौर, सुरिंदर कौर, संतोषी देवी, सुनैना देवी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

संक्षिप्त डायरी

पहली मेरिट लिस्ट होगी जारी, ऐसे करें डाउनलोड

पटना (एजेंसी) बिहार 11वीं में एडमिशन के लिए पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है. पहली मेरिट लिस्ट के बाद बोर्ड दूसरी और तीसरी मेरिट लिस्ट भी जारी करेगा. बिहार स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड की ओर से इंटर एडमिशन 2026 के तहत 11वीं कक्षा में एडमिशन के लिए पहली मेरिट लिस्ट आज जारी की जाएगी. जिन छात्रों ने ऑनलाइन आवेदन किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट के जरिए अपना मेरिट स्टेटस चेक कर सकते हैं. यह मेरिट लिस्ट छात्रों के 10वीं के अंकों और उनके द्वारा भरे गए कॉलेज/स्कूल ऑप्शन के आधार पर तैयार की गई है. जिन छात्रों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में आएगा, उन्हें निर्धारित समय के भीतर संबंधित स्कूल या कॉलेज में एडमिशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी. पहली मेरिट लिस्ट के बाद बोर्ड दूसरी और तीसरी मेरिट लिस्ट भी जारी करेगा. इसके अलावा स्लाइड-अप ऑप्शन के जरिए छात्र बेहतर कॉलेज का विकल्प भी चुन सकते हैं. इस सिस्टम के तहत अगर स्टूडेंट्स पहली लिस्ट में आए ऑप्शन से खुश नहीं है तो वो दूसरे स्कूल का ऑप्शन चुन सकते हैं. नया ऑप्शन चुनने के लिए छात्रों के पास 12 मई तक का समय रहेगा. इसके लिए उन्हें पहले स्कूल में एडमिशन लेना होगा. एक बार एडमिशन के बाद ही वे दूसरी या तीसरी लिस्ट जारी होने पर एडमिशन ले सकेंगे.

बिहार के सरकारी शिक्षकों के ट्रांसफर पर अपडेट, जानिए कब बनेगी नई पॉलिसी

पटना (एजेंसी) बिहार के सरकारी शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर खबर सामने आई है. अभी उन्हें और इंतजार करना पड़ सकता है. नई नीति बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है. सुझाव के बाद ही नई नीति बन सकेगी.

(अनुराग प्रधान, पटना) बिहार में सरकारी स्कूल के शिक्षक काफी समय से ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं. इस बीच उन्हें अभी और इंतजार करना पड़ सकता है. शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर एक बार फिर नई नीति बनाने की तैयारी शुरू हो गई है. ट्रांसफर पॉलिसी में सामने आई खामियां सूत्रों के अनुसार, वर्तमान ट्रांसफर पॉलिसी में कई खामियां सामने आई हैं, जिसके कारण स्कूलों में विषयवार शिक्षकों का संतुलन बिगड़ गया है. जानकारी के मुताबिक, कई माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में जहां एक-एक विषय के लिए निर्धारित पद हैं, वहां जरूरत से अधिक शिक्षकों की पोस्टिंग हो गई है. 24 अप्रैल को हुई थी बैठक उदाहरण के तौर पर कुछ स्कूलों में इतिहास के दो पदों के बजाय चार-चार शिक्षक तैनात हैं, जबकि विज्ञान और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों में कई जगह शिक्षकों की कमी बनी हुई है. हाल ही में 24 अप्रैल को शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों के साथ हुई थी. बैठक में डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने ट्रांसफर पॉलिसी को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित करने और व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे. कब तक बन सकती है नई पॉलिसी डिप्टी सीएम ने अधिकारियों से कहा था कि ट्रांसफर-पोस्टिंग प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित हो सके. सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नई ट्रांसफर पॉलिसी को अंतिम रूप दिया जाएगा. इससे पहले शिक्षक संघों और अन्य स्टेकहोल्डर्स से सुझाव मांगे जायेंगे. इन सुझावों पर विचार-विमर्श के बाद ही नई नीति लागू की जायेगी. अभी विभाग ने शिक्षकों के ट्रांसफर पर तत्काल रोक लगा दी है.

बेगूसराय में तूफान ने मचाया कहर, घर गिरा बेजुबान की गई जान

पटना (एजेंसी) बेगूसराय के नावकोठी प्रखंड के गौरीपुर में सोमवार शाम आई भीषण आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचा दिया है. इस घटना में गौरीपुर के भोला महतो का घर ध्वस्त हो गया हैं. जिसमें मलबे में दबकर एक गर्भवती गाय की मौत हो गई. बेगूसराय के नावकोठी प्रखंड के गौरीपुर में सोमवार शाम आई भीषण आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचा दिया है. इस घटना में गौरीपुर के भोला महतो का घर ध्वस्त हो गया हैं. जिसमें मलबे में दबकर एक गर्भवती गाय की मौत हो गई. गौरीपुर में तेज आंधी से भारी तबाही, बिजली आपूर्ति ठप,ग्रामीणों ने चलाया राहत कार्य. पलभर की तबाही और हवा के झोंकों ने उजाड़ा घर. जान बचाने की जद्दोजहद जारी
तेज तूफान के दौरान भोला महतो ने बचाने के लिए शोर मचाया. मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें और एक गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और आठ महीने की गर्भवती गाय को नहीं बचाया जा सका. अमरूद का पेड़ गिरने से जानें परिवार पर कैसे आया संकट ग्रामीणों के अनुसार, भोला महतो की आजीविका का मुख्य साधन गौपालन ही था. गाय की मौत से उनके सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है. मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने कटर मशीन की मदद से घर पर गिरे पेड़ को काटकर हटाया तब जाकर मलबे में फंसे गाय के शव को बाहर निकाला गया.

भाजपा की जीत पर जदिया में पार्टी कार्यकताओं ने मनाया जश्न

पटना (एजेंसी) पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर सोमवार की शाम जदिया में पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार जश्न मनाया. जदिया (सुपौल) से उमेश कुमार की रिपोर्टः पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पर सोमवार की शाम जदिया में पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार जश्न मनाया. त्रिवेणीगंज पूर्व के भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जदिया बाजार में विजय रैली निकालकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाते हुए खुशी का इजहार किया. विजय रैली निकालकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाते हुए किया खुशी का इजहार रैली जदिया बाजार के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए विभिन्न चौक-चौराहों तक पहुंची, जहां भारत माता की जय एवं भाजपा जिंदाबाद के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा. कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा गया और कई जगहों पर आतिशबाजी भी की गई. मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यकताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है. उन्होंने कहा कि जनता ने विकास, सुशासन और मजबूत नेतृत्व के पक्ष में अपना विश्वास जताया है. वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता पवन अग्रवाल ने कहा कि यह जीत आम जनता के भरोसे और पार्टी की नीतियों की विजय है. उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है और आने वाले समय में भी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी. इस मौके पर भूषण दिवाकर, कमल ठाकुर, डॉ. मनोज, राजेश पौद्दार, प्रकाश पोदार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे. सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की और इसे ऐतिहासिक जनादेश बताया.

बिहार में 7 मई को सम्राट कैबिनेट का विस्तार, पीएम मोदी और शाह होंगे शामिल

पटना (एजेंसी) सम्राट कैबिनेट के विस्तार को लेकर सियासी हलचल तेज है. 7 मई को कैबिनेट का विस्तार होना है. इसके लिए गांधी मैदान में तैयारी शुरू कर दी गई है. संभावना जताई जा रही है कि शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी और अमित शाह शामिल हो सकते हैं. बिहार में नई सरकार बनने के बाद अब कैबिनेट का विस्तार होना है. सीएम सम्राट चौधरी सोमवार को दिल्ली से लौटे, जिसके बाद से चर्चा तेज है. इस बीच अब सम्राट कैबिनेट का पहला विस्तार 7 मई को होने वाला है. ऐतिहासिक गांधी मैदान में कैबिनेट विस्तार का आयोजन होगा. पीएम मोदी और अमित शाह के आने की चर्चा कैबिनेट विस्तार के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी आने की संभावना है. इसको लेकर पटना जिला प्रशासन की ओर से गांधी मैदान में जोर-शोर से तैयारी की जा रही है. पीएम के आगमन को देखते हुए गांधी मैदान में हेलीपैड भी बनाए जा रहे हैं. सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण के दौरान भी थी चर्चा 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव ने भी शपथ लिया था. शपथ ग्रहण से पहले संभावना जताई जा रही थी कि पीएम मोदी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे. लेकिन किसी कारणवश पीएम मोदी शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुए थे. ऐसे में अब कैबिनेट विस्तार को लेकर भी चर्चा है कि समारोह में पीएम मोदी आ सकते हैं. उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी आ सकते हैं. सम्राट चौधरी ने दिल्ली दौरे के दौरान दोनों से मुलाकात की थी. किस पार्टी से कितने बन सकते हैं मंत्री? सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट के विस्तार में भाजपा के 15 मंत्रियों को जगह मिलेगी. जबकि जदयू के 14 और मंत्री बनाए जायेंगे. जदयू के दो उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव सरकार में मौजूद हैं. उनको शामिल कर सरकार में जदयू के मंत्रियों की संख्या 16 हो जायेगी. सहयोगी दलों के लिए पहले का फॉमूर्ला प्रभावी होगा. इसमें चिराग पासवान की पार्टी लोजपा आर से दो, जीतन राम मांझी की पार्टी हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी से एक-एक मंत्री बनाए जायेंगे. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने दो दिवसीय दिल्ली प्रवास के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के अलावा पार्टी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की. सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री अमित शाह ने कैबिनेट विस्तार को हरी झंडी प्रदान कर दी है. पुराने चेहरे को मिलेगी जगह कैबिनेट विस्तार में जदयू और भाजपा के पुराने चेहरे को जगह मिलने की चर्चा है. जदयू से डॉ. अशोक चौधरी, श्रवण कुमार, लेशी सिंह, मदन सहनी, मो जमां खान आदि के नाम मंत्री पद के लिए तय माने जा रहे हैं. जबकि भाजपा में मंगल पांडेय, डॉ. दिलीप जायसवाल, नीतीश मिश्रा, प्रमोद कुमार आदि के नाम प्रमुखता लिस्ट में शामिल है. मंत्रिमंडल विस्तार में कुछ नये मंत्रियों को भी शामिल किया जा सकता है. आज मुंगेर में सीएम सम्राट का कार्यक्रम जानकारी के मुताबिक, सीएम सम्राट चौधरी आज मुंगेर और खगड़िया जाने वाले हैं. इस दौरान वे धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और इसके साथ ही विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करेंगे. बताया जा रहा है कि 5 मई की शाम में पोलो मैदान में भव्य लेजर लाइट और ड्रोन शो भी आयोजित किया गया है. लेकिन इसमें सीएम सम्राट शामिल नहीं हो पायेंगे.

दानकुनी-आनंद विहार के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, बिहार के इस जिले में होगा स्टॉपेज

पटना (एजेंसी) बिहार के लोगों को स्पेशल ट्रेन का तोहफा मिला है. रेलवे की ओर से दानकुनी से आनंद विहार के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन बिहार के जमुई जिले से गुजरेगी. रेलवे के इस फैसले से यात्रियों को काफी सहूलियत मिल सकेगी. बिहार में अब से कुछ ही दिनों में समर वेकेशन की शुरूआत होने वाली है. इससे पहले बिहार के यात्रियों को रेलवे की ओर से राहत दी गई है. रेलवे के मुताबिक, दानकुनी और आनंद विहार के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन सीमित समय के लिए ही चलेगी लेकिन इसके चलने से बिहार और झारखंड के लोगों को सहूलियत मिल सकेगी. कब से कब तक चलेगी ट्रेन? जानकारी के मुताबिक, (ट्रेन नंबर-03009) दानकुनी-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन को 9 मई से 27 जून तक चलाया जाएगा. हर शनिवार इस ट्रेन को चलाया जाएगा. सिर्फ 23 मई को ट्रेन का परिचालन नहीं होगा. हर शनिवार को यह ट्रेन 7 फेरे लगाएगी. क्या होगी ट्रेन की टाइमिंग? ट्रेन की टाइमिंग को लेकर बताया जा रहा है कि यह स्पेशल ट्रेन रात में 00:30 बजे दानकुनी से खुलेगी और अगले दिन 11:00 बजे सुबह आनंद विहार पहुंच जाएगी. वापसी में (ट्रेन नंबर-03010) आनंद विहार टर्मिनल-दानकुनी स्पेशल ट्रेन आनंद विहार से दोपहर 15:00 बजे खुलेगी और 23:30 बजे रात में दानकुनी पहुंच जाएगी. वापसी में यह ट्रेन 10 मई से चलेगी. सिर्फ 24 मई को इसका परिचालन नहीं होगा. क्या होगा ट्रेन का स्टॉपेज और सुविधाएं? ट्रेन के स्टॉपेज के बारे में यह जानकारी दी गई कि दुगार्पुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह और झाझा स्टेशन पर ट्रेन का स्टॉपेज होगा. जमुई के झाझा के अलावा भी बिहार के कुछ स्टेशनों पर स्टॉपेज होगा, जिससे यात्रियों को सहूलियत मिल सकेगी. इस स्पेशल ट्रेन में यात्रियों को जेनरल सेकंड क्लास, स्लीपर क्लास और इमरजेंसी कोच की सुविधा मिल सकेगी. ऐसे में लोग अपने बजट के अनुसार टिकट बुक कर सकेंगे.

हाई-सिक्योरिटी जोन में बदला गांधी मैदान, 3000 जवान होंगे तैनात

पटना (एजेंसी) सम्राट कैबिनेट का विस्तार 7 मई को होगा. इसकी तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है. पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण की तैयारी की जा रही है. हाई-सिक्योरिटी जोन में गांधी मैदान को बदला गया है. समारोह स्थल पूरे चार जोन में बंटा होगा. बिहार में नई सरकार के गठन के बाद अब कैबिनेट का विस्तार होना है. 7 मई को कई मंत्री शपथ ग्रहण करेंगे. गांधी मैदान में भव्य समारोह की तैयारी की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, पटना के गांधी मैदान वाले इलाके को हाई-सिक्योरिटी जोन में बदला गया है. समारोह स्थल को चार हिस्सों में बांटा जाएगा. गांधी मैदान के आस-पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था इसके साथ ही एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं. खासकर पीएम मोदी के आने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से टाइट रहेगी. बताया जा रहा है कि करीब 3000 जवान गांधी मैदान और इसके आस-पास के इलाके में तैनात रहेंगे. इसके साथ ही चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रहेगी. गांधी मैदान में करीब डेढ़ लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है. इन बड़े नेताओं के आने की चर्चा संभावना जताई जा रही है कि शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, जेपी नड्डा और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हो सकते हैं. शपथ ग्रहण समारोह को लेकर बीजेपी के साथ-साथ जेडीयू के नेता और कार्यकर्ता भी तैयारियों में अभी से ही जुट गए हैं. बीजेपी ऑफिस में हो रही है बैठक जानकारी के मुताबिक, आज बीजेपी कार्यालय में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई है. इस बैठक में कई विधायक, एमएलसी और पार्टी के नेता शामिल हैं. इस तरह से गांधी मैदान में कैबिनेट विस्तार को लेकर पटना जिला प्रशासन की ओर से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है.

बिहार में बनाए जायेंगे 6 पीपा पुल, इन 3 जिलों को किया गया सेलेक्ट, जानिए

पटना (एजेंसी) बिहार के 3 जिलों में पीपा पुल बनाए जाने की योजना है. टोटल 6 पुल बनाए जायेंगे. इसके लिए जल्द ही टेंडर भी निकलने वाला है. पीपा पुल के बनने से नाव पर लोग कम डिपेंड हो सकेंगे और गंगा नदी के दोनों ओर आना-जाना भी आसान हो सकेगा. बिहार के कई जिलों में सड़क और पुलों का निर्माण किया जा रहा है. इस बीच परिवहन विभाग की ओर से लोगों की सहूलियत के लिए खास तैयारी की गई है. परिवहन विभाग ने बिहार में 6 पुल बनाए जाने की योजना बनाई है. इन 6 पुलों को 3 जिलों में बनाया जाएगा. उन तीन जिलों में पटना, भोजपुर और वैशाली शामिल है. सभी तीन जिलों में गंगा नदी पर पुल बनाए जायेंगे. कहां बनाए जायेंगे सबसे ज्यादा पीपा पुल? परिवहन विभाग की ओर से पीपा पुल बनाए जाने के लिए जगह भी चिह्नित कर लिया गया है. सबसे ज्यादा पीपा पुल पटना में 4 बनाए जायेंगे. इसके अलावा भोजपुर और वैशाली में एक-एक पीपा पुल बनाए जाने की योजना है. जानकारी के मुताबिक, जल परिवहन विभाग की ओर से भोजपुर में बनाए जाने वाले पीपा पुल के लिए टेंडर निकाल दिया गया है, जिसके बाद काम भी शुरू कर दिया गया. जल्द ही अन्य जिलों में भी टेंडर निकाला जाएगा. वैशाली और पटना में कहां बनाया जाएगा पुल? वैशाली जिले की बात करें तो यहां के चकौशन में पीपा पुल बनाया जाएगा. जबकि पटना जिले में कच्ची दरगाह में दो जगह, ग्यासपुर और दानापुर में बनाया जाएगा. जिस भी जगह के लिए टेंडर निकाल दिया गया है, वहां पीपा पुल बनाया जाना शुरू कर दिया गया है, जबकि कुछ जगहों के लिए टेंडर जल्द ही निकाला जा सकता है. किस मकसद से बनाया जा रहा पुल? पीपा पुल बनाने का उद्देश्य यह बताया गया कि इसके बनने से गंगा नदी के दोनों पार आना-जाना आसान होगा और नाव पर निर्भरता कम होगी. बाढ़ वाले इलाकों में रह रहे किसान आसानी से खेतों तक जा सकते हैं और बड़े पुल पर अगर ज्यादा जाम की स्थिति होती है तो पीपा पुल एक ऑप्शन के तौर पर यूज कर सकेंगे. इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार सेवाओं को लेकर भी लोगों को आसानी हो सकेगी.

पटना से औरंगाबाद के बीच बनेगी फोरलेन सड़क, झारखंड तक आना-जाना होगा आसान

पटना (एजेंसी) बिहार में रोड कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है. इस बीच पटना से औरंगाबाद के बीच फोरलेन सड़क बनाई जाने वाली है. अभी यह सड़क टू लेन वाली है लेकिन इसे फोरलेन बनाने की मांग की जा रही है. बिहार में लगातार सड़कों को दुरुस्त करने और नई सड़क नाने का काम किया जा रहा है. इस बीच पटना से औरंगाबाद के बीच फोरलेन बनाए जाने की योजना है. यह फोरलेन सड़क पटना से औरंगाबाद होते हुए झारखंड के हरिहरगंज तक जाएगी. यह दूरी लगभग 160 किलोमीटर होगी. केंद्र सरकार से मिला आश्वासन जानकारी के मुताबिक, सड़क के एनलाइनमेंट को लेकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है. केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की ओर से मंजूरी को लेकर आश्वासन दिया गया है. यह फोरलेन सड़क हरिहरगंज, औरंगाबाद, ओबरा, दाउदनगर और अरवल से होते हुए पटना तक आएगी. इससे लोगों को सहूलियत मिलेगी. उनका झारखंड तक पहुंचना आसान हो जाएगा. टू लेन रोड को बनाया जाएगा फोरलेन बताया जा रहा है कि अभी यह सड़क दो लेन वाली है लेकिन इसे फोरलेन बनाए जाने की मांग की जा रही है. यह मांग लोगों की ओर से पहले भी की जा रही थी, जिसके बाद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया था. लेकिन उस वक्त प्रस्ताव पर सहमति नहीं मिली थी. ऐसे में एक बार फिर फोरलेन सड़क बनाए जाने की मांग हुई. अब यह मामला सीधे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के पास पहुंच गया है. बाईपास बनाए जाने की भी है योजना जानकारी के मुताबिक, नए सिरे से सड़क का एनलाइनमेंट बनाकर भेजने के लिए कहा गया है. ऐसे में विभाग की ओर से मंजूरी मिलने का इंतजार किया जा रहा है. बताया यह भी जा रहा है कि यहां बाईपास बनाए जाने की भी योजना है. औरंगाबाद, अरवल, ओबरा और दाउदनगर में बाइपास बनाया जा सकता है. इस फोरलेन सड़क के बनने से जिलों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी.

शादी से एक दिन पहले आंधी ने उजाड़ा महादलित परिवार का आशियाना, सपनों पर फिरा पानी

पटना (एजेंसी) वैशाली के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड में तेज आंधी और बारिश ने उजाड़ा महादलित का आशियाना. बेटे के बारात जानें से एक दिन पहले ही सबकुछ तबाह हो गया. वैशाली के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड में तेज आंधी और बारिश के कारण एक महादलित परिवार की खुशियां मातम में बदल गई. फतेहपुर गांव निवासी बालेश्वर मांझी के घर पर बरगद का पेड़ गिरने से उनका घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. हादसा उस समय हुआ जब उनके पुत्र की शादी की तैयारियां चल रही थीं. जानें कैसे हुआ पूरा हादसा वैशाली प्रखंड क्षेत्र में सोमवार शाम को आई तेज आंधी और बारिश ने एक महादलित परिवार की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया. बेलसर थाना क्षेत्र के फतहपुर गांव स्थित वार्ड संख्या 06 निवासी बालेश्वर मांझी के घर पर अचानक एक विशाल बरगद का पेड़ गिर पड़ा, जिससे उनका आशियाना बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. आंधी ने छिन ली परिवार की रौनक यह हादसा ऐसे समय हुआ, जब घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं. बालेश्वर मांझी के पुत्र रविन्द्र मांझी की शादी मंगलवार को होनी है और बारात निकलने की तैयारी चल रही थी, लेकिन अचानक आई इस आपदा ने पूरे परिवार के अरमानों पर पानी फेर दिया. शादी से पहले कैसे तबाह हुआ महादलित परिवार पेड़ गिरने से शादी के लिए रखे भोज का पूरा सामान नष्ट हो गया. इसके अलावा पलंग, आलमारी, बक्सा सहित अन्य जरूरी घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गए. जहां कुछ देर पहले तक घर में खुशियों का माहौल था, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है. जानें अब कैसा है परिवार की हालत इस घटना में बालेश्वर मांझी के भाई मुकेश मांझी का घर भी प्रभावित हुआ है, जिससे परिवार की परेशानियां और बढ़ गई हैं. पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है. शादी जैसे शुभ अवसर पर सिर से छत छिन जाने और सारी व्यवस्थाएं बिखर जाने की चिंता उनके चेहरों पर साफ झलक रही है. परिजनों की आंखों में आंसू हैं और मन में एक ही सवाल है.परिवार और ग्रामीण की मांग घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया. ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सहायता की मांग की है, ताकि किसी तरह शादी की रस्में पूरी कराई जा सकें.

बिहार के 18 जिलों में आज गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम का मिजाज इन दिनों बिगड़ा हुआ है. अचानक आंधी-तूफान की वजह से कई लोगों की मौत हो गई. इस बीच आज 18 जिलों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना जताई गई है. बिहार में मौसम अभी सुहावना बना हुआ है. बारिश की वजह से लोगों को उमस वाली गर्मी से राहत मिली है. इस बीच मौसम विभाग ने आज 18 जिलों में अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में गरज-चमक के साथ आंधी और तेज बारिश बारिश की संभावना जताई गई है. साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है. मौसम विभाग ने इन जिलों में जारी किया अलर्ट मौसम विभाग ने जिन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, उनमें बक्सर, भोजपुर, अरवल, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, जमुई और बांका शामिल है. बिगड़ते मौसम को देखते हुए लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. खासकर किसानों को खुले में नहीं जाने की सलाह दी गई है. अगले 48 घंटों तक के लिए अलर्ट जारीमौसम विभाग की माने तो, अगले 48 घंटे तक बिहार में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा. 6 मई को सिर्फ कुछ जिलों को छोड़कर बाकी के सभी जिलों में अलर्ट जारी किया गया है. तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है. पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाले नमी वाली हवाओं की वजह से बिहार में प्री-मॉनसून जैसी स्थिति बनी हुई है. सोमवार को आंधी-बारिश से 20 की मौत सोमवार को मौसम का मिजाज बदलते ही कुदरत ने कहर बरपा दिया. तेज आंधी और बारिश के साथ हुए वज्रपात की चपेट में आने से अलग-अलग जगहों पर टोटल 20 लोगों की मौत हो गई. सबसे अधिक पूर्वी चंपारण में पांच लोगों की जान गई है. सुगौली के कथवलिया गांव में ठनका सीधे एक घर पर गिरा, जिससे दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है. राज्य में वज्रपात, आंधी तूफान में लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरा शोक जताया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं. मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुदान देने के निर्देश दिए हैं.

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्ते

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

आरसीबी ने 18 साल तक टीम से जुड़े फिजियो इवान स्पीचली को दी भावुक विदाई

आप हमेशा परिवार का हिस्सा रहेंगे : विराट कोहली

एजेंसी

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहे पूर्व मुख्य फिजियो इवान स्पीचली को भावुक विदाई दी। स्पीचली ने 2008 से 2025 तक करीब 18 वर्षों तक फ्रेंचाइजी के साथ काम किया और टीम के सबसे पुराने सदस्यों में से एक रहे। इस खास मौके पर टीम ने बेंगलुरु में एक समारोह आयोजित किया, जिसमें खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने एकत्र होकर स्पीचली के योगदान को याद किया और उनका सम्मान किया।

टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली ने स्पीचली के साथ अपने लंबे रिश्ते को याद करते हुए कहा, मैंने आरसीबी में आपके साथ सबसे ज्यादा समय बिताया है। आप इस टीम के शुरूआती सदस्यों में से हैं। आपकी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म के अलावा आपकी दयालुता, देखभाल और ईमानदारी हमेशा याद रहेगी। आप इस परिवार का हिस्सा हमेशा रहेंगे।

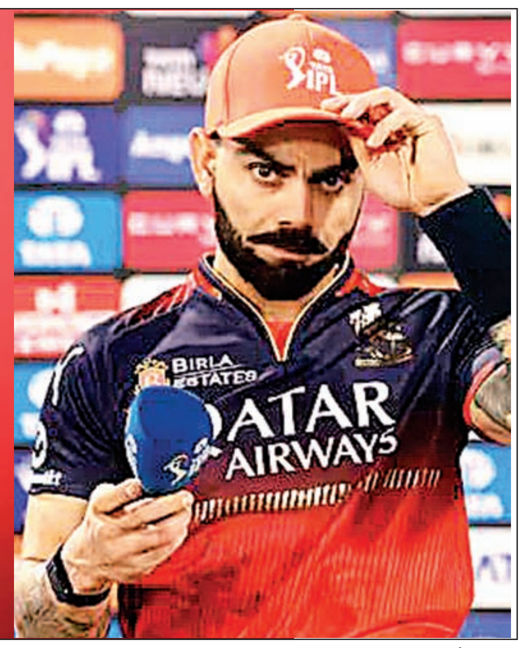

टीम के क्रिकेट निदेशक मो बॉबट ने भी स्पीचली के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, इवान लंबे समय तक हमारे मुख्य फिजियो रहे हैं। हम उन्हें वापस बुलाकर उनके योगदान को सम्मान देना चाहते थे और उनके साथ समय बिताना चाहते थे।

भावुक हुए इवान स्पीचली ने भी टीम के प्रति अपना जुड़ाव व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जब मैं कल होटल पहुंचा तो ऐसा लगा जैसे घर वापस आ गया हूं। आरसीबी हमेशा एक परिवार की तरह रहा है। दुनिया का हर क्रिकेटर यहां एक सीजन बिताना चाहेगा, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे 18 साल यहां बिताने का मौका मिला। करीब दो दशकों तक टीम के साथ जुड़े रहे स्पीचली ने कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों के साथ काम किया और टीम के भीतर एक भरोसेमंद और सम्मानित चेहरा बने रहे।

आरसीबी की यह विदाई सिर्फ एक व्यक्ति के योगदान का सम्मान नहीं, बल्कि उन लोगों के महत्व को भी दर्शाती है, जो पर्दे के पीछे रहकर टीम की सफलता और संस्कृति को मजबूत बनाते हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में शामिल हुए रिकेल्टन, छठे स्थान पर पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली : मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला। मुंबई के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शानदार पारी खेलते हुए एक साथ कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रयान रिकेल्टन ने इस मुकाबले में सिर्फ 32 गेंदों पर 83 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के साथ उनके सीजन में कुल रन 380 हो गए हैं और वह सीधे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ बने हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन 425 रन, चौथे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी 404 रन और पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 385 रन के साथ हैं। रिकेल्टन से पहले 300 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लंबी सूची थी, लेकिन उनकी इस पारी ने उन्हें सीधे शीर्ष खिलाड़ियों की कतार में ला खड़ा किया है। फिलहाल मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का कोई अन्य बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल नहीं है। अब सभी की नजरें केएल राहुल पर हैं, जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अगले मैच में खेलेंगे और कुछ चौकों के साथ फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला। वानखेड़े स्टेडियम की बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर गेंदबाजों के लिए ज्यादा मौके नहीं थे और पूरे मैच में केवल नौ विकेट गिरे। लखनऊ के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव विकेट लेने में सफल नहीं हो सके, जिससे वह 13 विकेट के साथ छठे स्थान पर ही बने हुए हैं। पर्पल कैप की रेस में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 17-17 विकेट के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उनके बाद गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा 16 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा 15-15 विकेट के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप: भारतीय स्कीट निशानेबाज फाइनल से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : कजाखस्तान के अल्माटी स्थित आसानोव शूटिंग क्लब में आयोजित आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारतीय स्कीट निशानेबाज पुरुष और महिला दोनों वर्गों में फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। पुरुष वर्ग में ओलंपियन मैराज अहमद खान और महिला वर्ग में राइजा ढिल्लों भारतीय दल की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे। मैराज अहमद खान ने पहले दिन 75 में से 71 अंक बनाकर 26वें स्थान से दूसरे दिन की शुरूआत की थी। उन्होंने अंतिम दो सीरीज में 23 और 25 अंक जोड़े और कुल 119 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन चरण में 18वें स्थान पर रहे। रैंकिंग अंक के लिए खेल रहे भावतेग सिंह गिल ने भी 119 अंक (24, 24, 23, 24, 24) हासिल किए और 19वें स्थान पर रहे। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने चौथी सीरीज में परफेक्ट 25 का स्कोर किया, लेकिन अंतिम सीरीज में 23 अंक ही जोड़ सके। वह कुल 117 अंकों के साथ 38वें स्थान पर रहे। राष्ट्रीय चैंपियन गुरजोत सिंह खंगूरा ने अंतिम दो सीरीज में 22 और 23 अंक बनाते हुए कुल 115 अंकों के साथ 54वां स्थान प्राप्त किया। वहीं अभय सिंह सेखों ने 113 अंकों के साथ 71वां स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में राइजा ढिल्लों ने 115 अंक (22, 23, 24, 23, 23) के साथ 17वें स्थान पर रहकर भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गनेमत सेखों, जो पहले दिन शीर्ष आठ के करीब थीं, अंतिम दो सीरीज में 22 और 20 अंक ही बना सकीं और कुल 112 अंकों के साथ 33वें स्थान पर खिसक गईं।

स्नूकर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने वू यीजे

एजेंसी

शेफील्ड : वू यीजे स्नूकर विश्व चैंपियनशिप के दूसरे सबसे युवा विजेता बन गए, जब 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोमवार को निर्णायक फ्रेम में ब्रिटेन के शॉन मर्फी को 18-17 से हराया। चीनी खिलाड़ी ने पूर्व चैंपियन मर्फी के खिलाफ कड़े मुकाबले में बढ़त बनाई, जिन्होंने रात भर पीछे रहने के बाद वापसी की और मुकाबले को सोमवार शाम तक खींच लिया। वू, स्टीफन हेंड्री के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1990 में 21 वर्ष की उम्र में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। वह चीन के दूसरे विश्व चैंपियन भी बने, इससे पहले उनके हमवतन झाओ शिंतोंग ने पिछले साल क्रूसिबल में जीत हासिल की थी। झाओ को क्वार्टर फाइनल में मैजिशियन मर्फी ने

हराया था, जिन्होंने 2005 में अपना पहला विश्व खिताब जीता था, जब वू दो साल के भी नहीं थे। हालांकि, वू ने क्रूसिबल के दर्शकों के UcDYDY के नारों के बीच शानदार संयम दिखाया। यह फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जिसमें शाम के सत्र में दोनों खिलाड़ी 14-14, 15-15 और 16-16 की बराबरी पर रहे। वू ने उसी शहर में जीत हासिल की, जहां वह 16 साल की उम्र में अपने स्नूकर करियर को आगे बढ़ाने के लिए आए थे। मुकाबला निर्णायक फ्रेम तक गया, जहां वू ने सतर्क शुरूआत के बाद नियंत्रण बनाया और 85 का निर्णायक ब्रेक लगाकर जीत सुनिश्चित की। मर्फी ने बीबीसी टू से बातचीत में कहा, मुझे बहुत गर्व है। यह मेरे और मेरी टीम के लिए शानदार कुछ हफ्ते रहे। मैंने शेफील्ड में बेहतरीन समय बिताया। हम बहुत करीब थे, बेहद करीब। उन्होंने कहा, मैं वू यीजे और उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैंने पहले ही कहा था कि वह एक दिन विश्व चैंपियन बनेंगे। बस अफसोस है कि वह दिन आज था। ट्रॉफी उठाने के अलावा, जिसकी शुरूआत 1926 में हुई थी, वू को 5 लाख पाउंड (676,400 डॉलर) की पुरस्कार राशि भी मिलेगी और वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच जाएंगे।

एशियाई पैरा खेल 2026 क्वालीफिकेशन के लिए नूरजहां नूरअली का बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभियान

एजेंसी

अहमदाबाद : भारत की नंबर एक पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी नूरजहां नूरअली एशियाई पैरा खेल 2026 के क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा ले रही हैं। यह प्रतियोगिता जापान के आइची प्रांत और नागोया में अक्टूबर 2026 में आयोजित होगी। विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज नूरजहां इस समय चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं, जो उनके करियर का बेहद महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। उनका लक्ष्य एशिया में शीर्ष छह में जगह बनाकर एशियाई पैरा खेल के लिए क्वालीफाई करना है। फिलहाल वह एशिया में आठवें स्थान पर हैं। नूरजहां के अभियान की शुरूआत मोंटेनेग्रो के पोडगोरिका में 29 अप्रैल से 2 मई तक आयोजित टूर्नामेंट से हुई। इसके बाद वह 5 से 9 मई तक

स्लोवेनिया के लास्को में प्रतियोगिता खेल रही हैं। आगे 11 से 15 मई तक लास्को में ही एक और टूर्नामेंट और 17 से 21 मई तक ताइपे शहर, ताइवान में अंतिम प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पांच साल की उम्र में पोलियो से प्रभावित होने के बावजूद नूरजहां ने 2022 में प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस में वापसी की और तेजी से सफलता हासिल की। उन्होंने अल्टीमेट टेबल टेनिस राष्ट्रीय पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और 2025-26 में इंदौर में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय पैरा चैंपियनशिप में अपने खिताब का सफल बचाव किया। अहमदाबाद की रहने वाली नूरजहां अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में जूनियर अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। कंपनी ने उन्हें प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पर्याप्त सहयोग और लचीलापन प्रदान किया है। नूरजहां ने एक बयान में कहा, यह चरण मेरे क्वालीफिकेशन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लगातार सहयोग और बेहतर प्रशिक्षण माहौल के साथ मेरा पूरा ध्यान एशिया के शीर्ष छह में जगह बनाने पर है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अडानी ने कहा कि नूरजहां का सफर उनके जज्बे, अनुशासन और संघर्ष को दर्शाता है।

विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए टीम घोषित की ग्लेन मैक्सवेल और मैट शॉर्ट ने राज्य अनुबंध ठुकराया

एजेंसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। इस बार सबसे बड़ा फैसला यह रहा कि अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैट शॉर्ट ने राज्य अनुबंध लेने से इनकार कर दिया है और स्वतंत्र रूप से खेलने का रास्ता चुना है। हालांकि दोनों खिलाड़ी उपलब्ध रहने पर विक्टोरिया के लिए खेलते रहेंगे। विक्टोरिया टीम पिछले कुछ वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन खिताब जीतने से चूकती रही है। पिछले पांच सत्रों में टीम चार बार फाइनल तक पहुंची, लेकिन हर बार उपविजेता रही। ऐसे में इस बार टीम आठ साल बाद खिताब

जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम में युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया गया है। ओलिवर पीक को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद पहला पूर्ण अनुबंध मिला है, जबकि ऑस्टिन एनलेजार्क और टायलर पियर्सन को भी सीनियर टीम में पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज हैरी होएक्स्ट्रा को रूकी अनुबंध दिया गया है। उनके साथ आर्यन शर्मा और टॉम पैडिंगटन को भी नए खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया गया है। अनुभवी खिलाड़ियों में फर्गस ओ'नील ने टीम के साथ अपना करार बढ़ाया है। वहीं पीटर हैंड्सकॉम्ब, सैम हार्पर और कैंपबेल केलावे ने भी अनुबंध विस्तार किया है। तेज गेंदबाज सैम एलियट और मिच पेरी को भी पिछले सत्र के शानदार प्रदर्शन के बाद नए अनुबंध से नवाजा गया है। ग्लेन मैक्सवेल, जिन्होंने हाल ही में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, अब टी20 और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं मैट शॉर्ट भी अंतरराष्ट्रीय और टी20 लीग में सक्रिय रहेंगे। टीम से जे लेमिरे, जेवियर क्रोन और कैलम स्टो को बाहर किया गया है, हालांकि कुछ खिलाड़ियों को टीम के साथ अभ्यास जारी रखने का मौका मिलेगा। क्रिकेट विक्टोरिया के पुरुष क्रिकेट प्रमुख डेविड हसी ने कहा कि टीम में स्थिरता और विकास दोनों देखने को मिल रहे हैं और युवा खिलाड़ियों का उभार टीम के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है।

विक्टोरिया टीम 2026-27:

ऑस्टिन एनलेजार्क, लियाम ब्लैकफोर्ड, स्कॉट बोलैंड, डायलन ब्रेशर, एशले चंद्रसिंघे, हैरी डिक्सन, सैम एलियट, पीटर हैंड्सकॉम्ब, सैम हार्पर, मार्कस हैरिस, कैंपबेल केलावे, ब्लेक मैकडोनाल्ड, कैमरन मैक्लूर, डेविड मूडी, टॉड मर्फी, फर्गस ओ'नील, ओलिवर पीक, मिच पेरी, टायलर पियर्सन, टॉम रोजर्स, विल सदरलैंड, डग वॉरेन, हैरी होएक्स्ट्रा, टॉम पैडिंगटन, आर्यन शर्मा।

संक्षिप्त खबरें

तेपे सिगेमान शतरंज टूर्नामेंट 2026 : मैग्नस कार्लसन लगभग एक साल बाद हारे

माल्मो : तेपे सिगेमान शतरंज टूर्नामेंट 2026 में दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को लगभग एक साल बाद क्लासिकल प्रारूप में हार का सामना करना पड़ा। चौथे दौर में उन्हें जॉर्डन वान फोरेस्ट ने पराजित किया। कार्लसन इससे पहले नॉर्वे शतरंज 2025 में डी. गुकेश के खिलाफ हारने के बाद से अजेय चल रहे थे। इस मुकाबले में वान फोरेस्ट ने शुरूआत से ही बढ़त बनाए रखी और कार्लसन को वापसी का मौका नहीं दिया। अंत में जब उनका घोड़ा फंस गया, तो कार्लसन ने हार स्वीकार कर ली। वान फोरेस्ट ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह जीत जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह ड्रॉ के लिए तैयार थे, लेकिन अचानक खेल उनके पक्ष में चला गया और स्थिति बदल गई। उन्होंने इसे बेहद रोचक मुकाबला भी बताया। वहीं भारत के अर्जुन एरिगैसी ने नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के साथ ड्रॉ खेला। इससे पहले अर्जुन ने निल्स ग्रैंडेलियस को हराया था। इस ड्रॉ के साथ अर्जुन, अब्दुसत्तारोव और वान फोरेस्ट संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अर्जुन ने मुकाबले में जीत हासिल करने की कोशिश की, लेकिन अंत में दोनों खिलाड़ियों ने अंक साझा किए। अगले दौर में अर्जुन का सामना जॉर्डन वान फोरेस्ट से होगा, जबकि अब्दुसत्तारोव निल्स ग्रैंडेलियस के खिलाफ खेलेंगे। टूर्नामेंट में निल्स ग्रैंडेलियस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और उन्हें लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। वहीं झू जिनेर ने एंडी वुडवर्ड को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारत की अंडर-18 हॉकी टीमें

भोपाल : भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार-चार मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। यह मुकाबले 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय केंद्र, भोपाल में आयोजित होंगे। यह श्रृंखला 19 अप्रैल से साई भोपाल में चल रहे अंडर-18 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के बाद आयोजित की जा रही है और महीने के अंत में काकामिगाहारा में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप की तैयारी के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। भारतीय महिला अंडर-18 टीम अपनी श्रृंखला की शुरूआत 15 मई को शाम 7 बजे से करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा। तीसरा मैच 18 मई को शाम 7 बजे होगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 8 बजे खेला जाएगा। वहीं भारतीय पुरुष अंडर-18 टीम 15 मई को शाम 5 बजे अपने अभियान की शुरूआत करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 7 बजे, तीसरा मैच 18 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 10 बजे होगा। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि साई भोपाल में प्रशिक्षण शिविर बेहद उपयोगी रहा और खिलाड़ियों ने अच्छी प्रगति दिखाई है। उन्होंने बताया कि इस दौरान खिलाड़ियों के बुनियादी कौशल को मजबूत करने पर खास ध्यान दिया गया, ताकि वे आधुनिक हॉकी की मांगों के अनुसार खुद को तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले टीम के लिए महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा और टीम संयोजन को परखने का मौका भी मिलेगा। महिला टीम की कोच रानी रामपाल ने भी कहा कि यह श्रृंखला खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने और एशिया कप से पहले अपनी तैयारी को मजबूत करने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने शिविर के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है और अब वे इन मुकाबलों में अपने कौशल को दिखाने के लिए तैयार हैं। यह श्रृंखला भारतीय टीमों के लिए एशिया कप से पहले अंतिम बड़ी तैयारी मानी जा रही है, जहां से सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया जाएगा।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग अपडेट : भारत और ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा वार्षिक अपडेट के बाद पुरुष और महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने क्रमशः अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। इस अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मैचों को पूर्ण महत्व और पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को आंशिक महत्व दिया गया है। पुरुष रैंकिंग में भारत 275 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के साथ उसका अंतर अब 14 से घटकर 13 अंक रह गया है। इंग्लैंड 262 अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष सात टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने अपने-अपने स्थान बरकरार रखे हैं। इस अपडेट में बांग्लादेश एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि श्रीलंका छह अंक गंवाकर नौवें स्थान पर खिसक गया है। अफगानिस्तान दसवें स्थान पर बना हुआ है। अमेरिका ने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ते हुए 13वां स्थान हासिल किया है। नेपाल ने संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ते हुए 17वां स्थान प्राप्त किया, जबकि ओमान 19वें स्थान पर पहुंच गया है। अन्य उल्लेखनीय बदलावों में इटली ने 11 अंकों की बढ़त के साथ 23वां स्थान हासिल किया, स्पेन 12 अंकों की बढ़त के साथ 26वें स्थान पर पहुंचा, साइप्रस और इस्वातिनी ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। दूसरी ओर, मोजाम्बिक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और वह 15 स्थान गिरकर 87वें स्थान पर पहुंच गया। महिला टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 287 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि इंग्लैंड के साथ उसका अंतर 18 से घटकर 12 अंक रह गया है। इंग्लैंड 275 अंकों के साथ दूसरे और भारत 264 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। महिला रैंकिंग में शीर्ष 16 टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। श्रीलंका सातवें स्थान पर रहते हुए शीर्ष टीमों के करीब पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश ने भी सुधार करते हुए आयरलैंड के करीब पहुंच बना ली है।

एक नजर

बिना वैध कागजात के भारत में गिरफ्तार चीनी नागरिक को भेजा गया जेल

अररिया: भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जोगबनी इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक चीनी नागरिक को संदिग्ध हालात में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 41 वर्षीय झोउ ह्यून को मंगलवार को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, झोउ ह्यून चीन के हुनान प्रांत के चेंग टाउसन गांव का निवासी है। उसे सोमवार को सशस्त्र सीमा बल के आईसीपी कमांडर एवं उप निरीक्षक सूरत सिंह चौहान और उनकी टीम ने जोगबनी आईसीपी परिसर से उस समय गिरफ्तार किया, जब वह बिना वैध दस्तावेजों के भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद एसएसबी और खुफिया एजेंसियों ने उससे गहन पूछताछ की। इसके बाद सूरत सिंह चौहान के आवेदन पर जोगबनी थाना में कांड संख्या 117/26, दिनांक 04 मई 2026 को इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट-2025 की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच की जिम्मेदारी अपर थानाध्यक्ष विष्णुकांत को सौंपी गई है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि झोउ ह्यून नेपाल में टूरिस्ट वीजा पर आया था और वहीं से बिना भारतीय वीजा के अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। वह नेपाली नंबर की स्कूटी (बीए 54 पी 3711) से आईसीपी पहुंचा था।

मलयालम अभिनेता संतोष नायर का निधन

मुंबई: मलयालम सिनेमा के जाने-माने अभिनेता संतोष नायर का 65 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, केरल के पथानामथिट्टा जिले में उनकी कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई थी, जिसमें वह, उनकी पत्नी और ट्रक चालक घायल हो गए। सभी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान अचानक आए हार्ट अटैक के कारण अभिनेता ने दम तोड़ दिया। उनके निधन से फिल्म इंडस्ट्री और प्रशंसकों में शोक की लहर है। संतोष नायर ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत 1982 में फिल्म 'इथु नजालुदे कथा' से की थी। इसके बाद उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने मुख्य किरदारों के साथ-साथ खलनायक और हास्य भूमिकाओं में भी अपनी अलग पहचान बनाई, जिससे वह मलयालम सिनेमा के बहुमुखी कलाकारों में गिने जाते थे। उनकी आखिरी फिल्म 'मोहिन्याट्टम' इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है और यह 8 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में साईजू कुरुप और सूरज वेंजरमूडु भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला, छह गंभीर रूप से घायल

जलपाईगुड़ी: पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नतीजे 2026 के नतीजों के बाद जलपाईगुड़ी के रंगधामाली इलाके में मंगलवार को हिंसा की घटना सामने आई है। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के नेता कृष्ण दास के समर्थकों ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं पर हमला किया। स्थानीय जानकारी के अनुसार, बेलाकोबा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता जीत के बाद मान्यता पूरी करने के लिए बोदागंज स्थित भ्रामरी देवी मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान रंगधामाली इलाके में कथित तौर पर रास्ता रोककर उन पर हमला किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों के पास धारदार हथियार और लाठियां थी। भाजपा कार्यकताओं को गाड़ियों से खींचकर बाहर निकाला गया और बेरहमी से पीटा गया।

स्वदेशी हथियारों की ताकत से बढ़ी भारत की सैन्य शक्ति, 'ऑपरेशन सिंदूर' बना उदाहरण : संजय सेठ

एजेंसी

प्रयागराज : भारत की सैन्य ताकत आज हमारे रक्षा उद्योगों की फैक्ट्रियों में तैयार होती है। स्वदेशी हथियारों की ताकत से भारत की सैन्य शक्ति बढ़ी है। आत्मनिर्भर भारत का सबसे सफल उदाहरण 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में दिखाई दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का श्रेय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों व प्रणालियों की देन है। यह बात मंगलवार को प्रयागराज में आयोजित तीन दिवसीय 'नॉर्थ टेक संगोष्ठी 2026' के दूसरे दिन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कही। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जबकि नवप्रवर्तनशील स्टार्टअप्स देश के प्रतिनिधि के रूप में उभर रहे हैं। स्टार्टअप्स और सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम भविष्य की विकास यात्रा के प्रमुख प्रेरक हैं और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ये हमारे समय के 'विश्वकर्मा' हैं। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना से जुड़ा हुआ है।

रक्षा राज्य मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेनाओं द्वारा आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' उपकरणों का प्रभावी उपयोग देश की आत्मनिर्भरता के संकल्प को दशार्ता है,जिसमें सरकार,रक्षा सार्वजनिक उपक्रम,निजी क्षेत्र, नवप्रवर्तनशील स्टार्टअप्स और सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम सभी की अहम भूमिका है।

उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड स्तर पर रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात 'नए भारत' के उभरते स्वरूप को दशार्ते हैं, जो अपनी सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनने पर विश्वास रखता है। 'यह नया भारत न तो किसी पर बुरी नजर डालता है और न ही अपनी संप्रभुता पर खतरे को नजरअंदाज करता है'। तकनीक के तेजी से बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए उन्होंने उद्योग जगत से अपील की कि वे नवाचार को लगातार जारी रखें और बदलती वैश्विक परिस्थितियों में तकनीकी रूप से आगे बने रहें। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे के सकारात्मक प्रभाव का उल्लेख करते हुए उद्योगों से इसे और आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सेंट्रल कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्या सेन गुप्ता ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी संप्रभुता और परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने उद्योगों से रक्षा बलों के साथ मिलकर उभरती चुनौतियों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। तीन दिवसीय 'नॉर्थ टेक संगोष्ठी 2026' का आयोजन भारतीय सेना के उत्तरी और मध्य कमान तथा भारतीय रक्षा निमार्ताओं की सोसायटी की ओर से 'रक्षा त्रिवेणी संगम' विषय के तहत किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन 4 मई 2026 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

दिल्ली में लीगल मेट्रोलॉजी में लाइफटाइम लाइसेंस की शुरूआत

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली में कारोबार का माहौल बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने वजन और माप सेक्टर में एक बड़ा सुधार किया है। यह सुधार दिल्ली की "डिरेगुलेशन एक्सरसाइज 2.0" का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों में नियमों को सरल बनाना और अनुपालन का बोझ कम करना है।

इस सुधार के तहत उद्योग एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में दिल्ली लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2011 में बदलाव किया जा रहा है। अब लाइसेंस देने से पहले फिजिकल साइट इंस्पेक्शन की जरूरत खत्म कर दी गई है और लाइसेंस सेल्फ-डिक्लेरेशन के आधार

पर जारी किए जाएंगे। इससे कारोबार शुरू करने और चलाने की प्रक्रिया तेज और आसान होगी। सिरसा ने कहा कि दिल्ली अब एक ऐसे शासन मॉडल की ओर बढ़ रही है जो सुधारों पर आधारित और उद्योग की जरूरतों के अनुसार काम करने वाला है। ईमानदार कारोबारियों को बार-बार की जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वजन और माप विभाग के अंतर्गत दिल्ली में 600 से अधिक सक्रिय व्यवसाय काम कर रहे हैं।

वियतनाम के राष्ट्रपति दिल्ली पहुंचे कल प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नयी दिल्ली : वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर मंगलवार शाम नई दिल्ली पहुंचे। एयरपोर्ट पर गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने उनका स्वागत किया। भारत-वियतनाम इस वर्ष व्यापक रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। वियतनाम के राष्ट्रपति की भारत यात्रा आज बिहार के बोधगया से हुई। यहां बिहार के राज्यपाल ले.ज. सैयद अता हसनैन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति लाम ने बोधगया के महाबोधि मंदिर में प्रार्थना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक हजारों वर्षों पुरानी

आध्यात्मिक विरासत, बौद्ध धर्म, भारत और वियतनाम के लोगों को जोड़ने वाले एक जीवंत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। यह यात्रा हमारे बहुआयामी और सुदृढ़ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव एवं वियतनाम के राष्ट्रपति लाम 5 से 7 मई तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ वियतनाम सरकार के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। राष्ट्रपति लाम का बुधवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति लाम के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा करेंगे।

माओवादियों का गढ़ रहा छत्तीसगढ़ का तर्रेम बना स्वास्थ्य मॉडल, राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन मिला

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के बीजापुर जिले का विकासखंड उसूर का अतिसंवेदनशील ग्राम तर्रेम, जो कभी माओवादी प्रभाव के कारण पिछड़े क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, वह आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर स्थित ग्राम तर्रेम में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते लोगों के भरोसे के केंद्र के रूप में उभरा है।

राज्य सरकार की पहल से इस क्षेत्र में लोगों की पहुंच आसान हुई है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार संभव हुआ। आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम में प्रतिदिन 25 से 30 मरीजों की ओपीडी,

सुरक्षित प्रसव सेवाएं तथा लैब जांच की सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं के प्रभावी संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। जिला प्रशासन ने आज मंगलवार को बताया कि कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी के नेतृत्व में आकांक्षी विकासखंड उसूर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर तर्रेम को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन प्राप्त हुआ है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 16 फरवरी 2026 से वर्चुअल मूल्यांकन किया गया, जिसमें 12 सेवाओं के आधार पर कुल 88.19ः अंक प्राप्त हुए। मूल्यांकन के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ सीएचओ, आरएचओ महिला एवं पुरुष से राष्ट्रीय कार्यक्रमों और ग्रामीणों को दी जा रही सेवाओं पर विस्तार से जानकारी ली गई, जिसमें सभी कर्मी सफल रहे। इस उपलब्धि में जिला कार्यक्रम प्रबंधक वरुण साहू, नर्सिंग ऑफिसर मानसी ताटपल्ली, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ उमेश ठाकुर, सेक्टर प्रभारी डॉ शिवा गौरी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक श्रवण नेताम, डाटा प्रबंधक निरंजन भोई सहित समस्त स्वास्थ्य स्टाफ, सीएचओ, आरएचओ, एएनएम एवं मितानिनों का विशेष योगदान रहा।

बारिश की गतिविधियों में आएगी कमी, 9 से सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव संभव

जयपुर : प्रदेश में आगामी समय में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी। इससे एक बार फिर गर्मी रफ्तार पकड़ेगी। 9 मई को सीमावर्ती इलाकों में हीटवेव का दौर देखने को मिल सकता है। सोमवार देर रात प्रदेश के करीब एक दर्जन से अधिक शहरों में आंधी-बारिश हुई। इससे प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। 41.7 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 30 डिग्री के साथ फलोदी की रात सबसे गर्म रही। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार देर रात जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, वनस्थली, पिलानी, सीकर, उदयपुर, चूरू, श्रीगंगानगर, पाली सहित करीब 16 शहरों में आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

भुवनेश्वर में नारद जयंती समारोह में वरिष्ठ पत्रकार प्रसन्न पति सम्मानित

एजेंसी

भुवनेश्वर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी ने भारत को कमजोर करने वाली शक्तियां नए-नए तरीके अपना रही हैं, इसलिए समाज का दायित्व है कि वह इन चुनौतियों की पहचान कर उनका मुकाबला करे। जिस प्रकार नारद ने अपने समय के धर्म का पालन किया, उसी तरह आज के समाज को भी समकालीन परिस्थितियों के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख प्रदीप जोशी यहां जयदेव भवन में आयोजित नारद जयंती एवं नारद सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह का आयोजन भुवनेश्वर के विश्व संवाद केन्द्र ने किया था। जिसमें बौद्धिक वर्ग, पत्रकार और सामाजिक

कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रसन्न पति को उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए नारद सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में राज्य के संस्कृति, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री सूर्यवंशी सूरज भी मौजूद रहे।

सह प्रचार प्रमुख जोशी ने "स्वकालीन धर्म" की पुनर्स्थापना का आह्वान करते हुए कहा कि भारत को कमजोर करने वाली शक्तियां नए-नए तरीके अपना रही हैं, इसलिए समाज का दायित्व है कि वह इन चुनौतियों की पहचान कर उनका मुकाबला करे। उन्होंने नारद मुनि के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार उन्होंने अपने समय के धर्म का पालन किया, उसी तरह आज के समाज को भी समकालीन परिस्थितियों के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। जोशी ने कहा कि आध्यात्मिकता भारतीय सभ्यता का मूल आधार है, जो "वसुधैव कुटुंबकम्ह की भावना को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद सहित संत परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को पुनर्जीवित करना आज की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले डेढ़ सौ वर्षों में विदेशी विचारधाराओं से प्रभावित कुछ प्रवृत्तियां देश में उभरी हैं, जिनका प्रभाव राष्ट्रीय एकता पर पड़ा है।

जोशी ने हाल के वर्षों में हुए कुछ प्रमुख घटनाक्रमों–जैसे अनुच्छेद 370 का हटना और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का भी उल्लेख करते हुए उन्हें राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने वाले कदम बताया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी कई क्षेत्रों में निरंतर प्रयास की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी ताकतें भारत की छवि और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। "ग्लोरिफिकेशन ऑफ इन्वेडर्स" और "डी-आइकोनाइजेशन ऑफ इंडियन आइकन्स" जैसे प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास और राष्ट्रीय नायकों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।

समारोह में मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने कहा कि पत्रकारिता को नारद मुनि से सीख लेनी चाहिए, जो सत्य और लोककल्याण के लिए कार्य करते थे। उन्होंने निष्पक्ष और तथ्यपरक पत्रकारिता पर जोर देते हुए एजेंडा आधारित रिपोर्टिंग से बचने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद् निरंजन पाढ़ी की अध्यक्षता में हुआ।

संक्षिप्त खबरें

दुनिया की पहली 'महिला स्पेशल' ट्रेन सेवा ने 34 साल पूरे किए

नयी दिल्ली : भारतीय रेलवे ने महिलाओं की सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दुनिया की पहली 'महिला स्पेशल' ट्रेन सेवा ने आज 34 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस सेवा की शुरूआत 5 मई 1992 को मुंबई में कामकाजी महिलाओं की बढ़ती संख्या और उनकी यात्रा संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की गई थी। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि पिछले कुछ दशकों में, 'महिला स्पेशल' सेवा शहर के उपनगरीय रेल नेटवर्क का एक अहम हिस्सा बन गई है, जो यात्रा के बदलते तरीकों और कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, दोनों को दशार्ती है। वर्ष 1990 के दशक में मुंबई के दक्षिणी हिस्सों में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आई, जिसके चलते उपनगरों से बड़ी संख्या में महिलाएं रोजाना यात्रा करने लगीं। भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में महिलाओं के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा एक बड़ी चुनौती बन गई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे ने चर्चगेट से बोरीवली के बीच पहली महिला स्पेशल ट्रेन शुरू की, जिसे बाद में 1993 में विरार तक विस्तारित किया गया। यह सेवा महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं रही। पहले जहां महिलाओं को सामान्य ट्रेनों के महिला डिब्बों में चढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं लेडीज स्पेशल ट्रेनों ने उन्हें पूरे ट्रेन में आराम से सफर करने की सुविधा दी। समय के साथ इन ट्रेनों की संख्या और लोकप्रियता दोनों में वृद्धि हुई है। यह सेवा न केवल यात्रा को आसान बनाती है, बल्कि महिला यात्रियों के बीच एक सामाजिक जुड़ाव भी स्थापित करती है। नियमित रूप से यात्रा करने वाली महिलाओं के बीच आपसी दोस्ती और सहयोग की भावना भी विकसित हुई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिक महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए यह सेवा बेहद लाभकारी साबित हुई है। भीड़भाड़ के समय में जहां सामान्य ट्रेनों में चढ़ना-उतरना मुश्किल होता है, वहीं महिला स्पेशल ट्रेनों ने ऐसी यात्रा को काफी आसान और ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियां तेज, महाकालेश्वर मंदिर में डिजिटल दर्शन व्यवस्था लागू

भोपाल: मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियां जोर-शोर से जारी है। यहां विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में अब दर्शन, भस्म आरती और अन्नदान की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो गई है। श्रद्धालु आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भस्म आरती, वीआईपी दर्शन और अब अन्नदान के लिए भी ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। उज्जैन कलेक्टर एवं महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि सिंहस्थ महाकुंभ 2028 को ध्यान में रखते हुए मंदिर में लगातार सुधार किए जा रहे हैं। मंदिर प्रशासन श्रद्धालुओं को बेहतर और सुगम दर्शन व्यवस्था देने के लिए कई बड़े बदलाव करने जा रहा है, जिससे आने वाले समय में भक्तों को ज्यादा सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में डिजिटल दर्शन व्यवस्था लागू करने का उद्देश्य भीड़ प्रबंधन और पारदर्शिता बढ़ाना है। कलेक्टर सिंह ने बताया कि गर्मी के मौसम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, इसलिए अभी महाकाल लोक में फागिंग फव्वारे लगाए गए हैं। इसके अलावा अब करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से फैब्रिकेशन शेड भी जल्द लगाया जाएगा। इसके साथ ही दर्शन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए मंदिर में कर आधारित बैरियर्स लगाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को लाइन में आसानी होगी और भीड़ प्रबंधन बेहतर होगा। उन्होंने बताया कि अब तक ज्यादातर श्रद्धालु सिर्फ सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब मंदिर प्रशासन सांध्य आरती और शयन आरती के महत्व की जानकारी भी श्रद्धालुओं तक पहुंचाने की योजना बना रहा है। इस पहल का उद्देश्य है कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इन आरतियों में भी शामिल होकर धार्मिक लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि मंदिर की वेबसाइट पर अन्नक्षेत्र मॉड्यूल शुरू किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मंदिर समिति का 29974 .37 लाख रुपये का प्रस्तावित बजट भी पारित किया गया है। सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए मंदिर में 80 नई स्टील दानपेटियां लगाई जाएंगी। वहीं सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए करीब 1000 बैरिकेड्स लगाने की मंजूरी भी दी गई है। इन सभी तैयारियों का मुख्य उद्देश्य है कि सिंहस्थ 2028 के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें सुरक्षित, व्यवस्थित और सहज दर्शन मिल सके।

साइबर ठगी के शिकार लोगों को बड़ी राहत पुलिस ने 1.28 लाख रुपये वापस दिलाए

औरैया: उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत औरैया पुलिस को अहम सफलता मिली है। इसी क्रम में साइबर सेल/साइबर क्राइम थाना की टीम ने ठगी के शिकार पीड़ितों की कुल 1,28,030 रुपये की धनराशि उनके बैंक खातों में मंगलवार वापस कराई गई है। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल साइबर क्राइम) के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम के निर्देशन में की गई। साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न मामलों में पीड़ितों से प्राप्त शिकायतों पर काम किया और संबंधित बैंकिंग व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से समन्वय स्थापित कर रकम को सुरक्षित कराया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साइबर ठगी के मामलों में समय रहते सूचना देना बेहद जरूरी होता है। त्वरित शिकायत मिलने पर ही धनराशि को ट्रेस कर उसे वापस दिलाने की संभावना बढ़ जाती है। इसी क्रम में साइबर टीम ने लगातार प्रयास करते हुए पीड़ितों को राहत पहुंचाई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या लालच भरे ऑफर के झांसे में न आएं और अपनी बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नजदीकी साइबर थाना/पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**